









विभीषणस्य नमः ॥ विविधमणि कसुधम  
यगले मनुष्य भइतुठ ॥ वभेभेमक प्रलुप इपर  
मु नगेपवीत इमक ॥ श्रीभ विंदयगभन  
मूडियग मल्लेवक मे लिभन ॥ मिमुरं सुगध  
इंधकगय लुधेमरः समनः ॥ ० ॥ तिलक  
मिदुगवरलं भुगवनभितं भेमकैः भेमिउतं ॥

कमुभुं मयपं॥ विभकरभममं उरभिगं निइं॥  
मरारुद्रकभुं वरपरमुपं॥ भापुभिं दभनभं॥  
गन्धयंरमुभुं विभवरमकरं॥ विप्रकभं नभ  
भि॥ ७॥ विभिवरगभुं नभन विभुभक॥  
गन्धयंरमुभुं विभवरमकरं॥ विप्रकभं नभ  
भि॥ ७॥ विभिवरगभुं नभन विभुभक॥

ग.  
मु.  
०



मिवाय ॥ ३ ॥ गणाय नमः मित्रं श्रीमन्तुं विनं ॥  
 अदम्यमानं मनुमन्त्रं मनुमन्त्रं ॥ परममध  
 कथम् अदम्यमानं मनुमन्त्रं ॥ अदम्यमानं मनुमन्त्रं  
 पुं श्रीगल्लमन्त्रं मनुमन्त्रं ॥ ८ ॥ विमभाय मन्त्रं मनुमन्त्रं  
 कथिले गणकलकः ॥ लघुमन्त्रं विनं विनं  
 गणै गल्लमन्त्रं ॥ अमन्त्रं मनुमन्त्रं

५३३



प्रसिद्धमिदं गालपिपतयेनमः॥ १ ॥ गालना  
भपिपतये गालपिपतयेनमः॥ २ ॥ भवेत्त्वत्  
विदं वांष्ट्रविनायकम्॥ ३ ॥ भवेत्त्वत्  
नाभगनि गालमष्टमद्वयः॥ ४ ॥ यः पठेत्तुमि  
जगनि भलकद्रिभिमभं॥ ५ ॥ भवेत्त्वत्  
मैकमभं विगीयकं॥ ६ ॥ शरीयं विगीयकं॥ ७ ॥

कथमिनिभा ॥ लघुमंगपाङ्कमंडु धष्टं विकटभवम ॥  
मधुमं विप्रारण्यं प्रभवलं उषाधुमभा ॥ नव  
मं वलमं मुंडु मममंडु चिनयकभा ॥ एक  
ममंगाला धतिं मममंडु नयकभा ॥ ५०३  
मम उयसु गालममुडभुमभा ॥ विमुक्त  
लकउ विष्टं यनकु विभलं यनभा ॥ भइती

ग.  
३०.  
३०.



लठउभइ मेकाजीपरमंथमभा ॥ रिंमिममिउ  
मराभीरं गमषामधमेह्लितभा ॥ गजनकम  
भङ्कमं यमेमवंगाल सुभा ॥ रिंमीभडुभग  
उवम ॥ रिंमङ्कग सुङ्क ॥ ५५ ॥ धम्मयेनिमया  
भूते : ॥ उमदंकीडियिपुमि सुदंथरमसुल्लभ  
धधुं मडुयमधुधुं मडुमधुं मडुमिउ : ॥

प्रणय उगा ॥ पुनः ॥ मरु कतिममवितः ॥ वरुः ॥  
 भय सुष पय ॥ मीप मल्ल सुमभरः ॥ वरुः ॥ गुण  
 लकी प्रर ॥ दग ककु ॥ उपरः ॥ ककु ककु ॥  
 पय ॥ भकु म मकु म मकुः ॥ पय कः ॥ कल भल  
 सु ॥ के म मरु मि क सुष ॥ गल्ल रु म उगा ॥ यं ॥  
 श्री मेल उगल ॥ सुगभा ॥ वरु ॥ सुगभा भायं ॥

मरु उपय सु



गाययंष्टक्यारिलभा॥ भूयगडिगल्लुडुं॥  
कमगविकष्टन्नभा॥ लभेमंगंजमकडुं नैभि  
धमभमेडुयभा॥ लभुकंमभकगल्लु निक  
संदिभवमिगे॥ विमुक्तनंगविमुमु भनय  
दभजभकभा॥ नयकंभकगशीपं विप्रसं  
सल्ललेगिउभा॥ ७ लवउविमुमुयं ददि

वसुभमेकलभा ॥ इति इं भिं जलसुध सुउसीध  
इमवभनभा ॥ उल्लयितुं मलमेधुं भालवसु  
यकलकभा ॥ भेगधुवरमं निडं कस्मीरनी  
भकुपिलभा ॥ भिबुभगारयेमसु विष्णुयंभ  
ग. इनयकभा ॥ जदसंयसठवने जगिदसठि  
सु. पंसिवभा ॥ पसुठरल नभनं कैलसुध



मञ्जुगम्भा ॥ भद्रयेगं भद्रमुम ॥ भद्रवगा दकुधि  
लभा ॥ भद्रेमं डलं भद्रयं ॥ मभद्रयं मिपिग  
ठिपभा ॥ धमद्रसुं शिक्का एम प्रगाय डवभि  
मुमभा ॥ चलं भागिगुह्ययं ड ॥ धमद्रमुम  
दव दनभा ॥ भेकुं मुमयं मधि कल्ल  
गुमकं गायभा ॥ भेकं धमुकं मकुं ॥ नन

नमनयने॥ विगायं वगवने॥ मवममवने॥  
नम॥ विष्णुकां दुमादु॥ गन्ममन्ममन्  
म॥ मधपवविष्णुपात्रं॥ गिडमनं दुपुष्करं॥  
लयं यमनतीरं॥ मुभनंगवममने॥ नभुगीधं  
ग. कमुवट॥ मेदनं दधिनधर॥ किष्किमयं भग  
मु. कडुं लङ्कयं दुविहीधलभा॥ कलिङ्गवामनं॥



मैव विबुधमभिमैकुलम् ॥ अमुकुं मडापगधु मी  
नधुडिमिायथुपमा ॥ वसुदसुंकेमलिधु ममि  
॥ उधुगेदिउम ॥ कुलेमुउकंमैव भपुमम  
भुकीडिउम ॥ एकमंधुं पस्मिभबु प्रचममधरा  
मिउम ॥ उउरममवडुंम वगिधुं डिधुगधुम ॥  
दिगलुकवमंमैव गिरिभविधुमं डिउम ॥

भभायं नगरवृक्ष नममयं धमुगभा ॥ भयप  
दंभदभयं ठमुकल्लममिवभा ॥ गेकेल्लग  
साकल्लम कवुज्जवरा ननभा ॥ धम्मभनंका  
भज्जये सीभायं भवतः भिउभा ॥ चमवमं सुम  
ग. सुध मिउये सुल नयकभा ॥ नपुधा धिउउभा  
मु. ननं नयभमुउकमल्लभा ॥ निउंभकउक



लउ मित्रयम् नयकभा ॥ अउकुइं पविइंम ॥  
भनलुं पन मनभा ॥ मइयत्तेमवउ लय ॥  
कगुत्तेय पदभा ॥ मोगेगुत्तेयह पृष्टपि ॥  
मठिमान मनभा ॥ कइमिभय समनं भव ॥  
मइनिवदभा ॥ इमहुंयः प० मउकुत्तेय ॥  
चमिमुत्तेय ॥ गल्ल सुगुत्तेय ॥

ॐ धम्ममा ॥ ॥ ॥ ॐ ह्रिमि पुराल गाले ससुहं मधु  
लंभमधुमा ॥ ॥ ॥ सुहमा ॥ ॥ ॥ ॐ ॥



[illegible]

हं प्रयत्नः निरुत्तमिडिककमुपारुधुपुत्तने  
धित ०० निरुत्तमिडिककमुपारुधुपुत्तने  
कं नृत्तनीनभुत्तनीन नृत्तनीनभुत्तनीन ००  
नृत्तनीनभुत्तनीन नृत्तनीनभुत्तनीन ००  
नृत्तनीनभुत्तनीन नृत्तनीनभुत्तनीन ००  
नृत्तनीनभुत्तनीन नृत्तनीनभुत्तनीन ००  
नृत्तनीनभुत्तनीन नृत्तनीनभुत्तनीन ००



विष्णु श्रीवद कृपागुरुभेदभद्रं यन्ममैवधिः  
चन्द्रधृपकम् : कष्टुकेमवतः विवीर्यं श्री  
मज्जि ॥ कृकीलकं वद कृपागुरुभेदभद्रं विनि  
शेगः शुभः यन्ममैवधियेनमः मितम  
चन्द्रधृकम्मेनमः भापे कष्टुकेमवतयेनमः  
हामि विवीर्ययेनमः नैः श्रीमज्जयेनमः

ॐ क्लीं क्लीं लकाराय नमः ॥ पंमये सुवरा मापां  
विनियोगः ॥ <sup>उपम</sup> भवन्नुप ॥ ॥ ॐ मं गं मं नवज्ञाय  
नमः ॥ अच ॥ ॐ यं उच्यु मधवज्ञाय नमः ॥ अच ॥  
ॐ गं नृप गवज्ञाय नमः ॥ ममिल ॥ ॐ वं व  
भमवज्ञाय नमः ॥ उच्यु ॥ ॐ लं भमि उच्यु  
यनमः ॥ पश्चिम ॥ ॥ पुनं ॥ ॐ इति धाम्नाय

व.  
ग.  
०



नेमैवं॥ एष भुज्जुभुभिः॥ मन्त्रकेटिभुतीका  
मं मन्त्रचक्रउमापरभा॥ धातुचक्रं विमल  
मिं॥ मयगेनमभुभिः॥ हृदिकैरपिच  
लकै॥ दार॥ उविगगिउभा॥ कथालभा  
कालं॥ यद्गुपि एकपगिभा॥ धातु  
मयगंमैवं॥ मरुदुंधिनगिभा॥ वरु

कयदसुंम भृङ्गपद्मपद्मगिलभा॥ वीलम  
भृङ्गदसुंम ॥ पद्मदसुंमिमुलिनं ॥ वरुण  
भृङ्गदसुंम ॥ पद्मदसुंमिमुलिनं ॥ वरुण  
विमिदुल ॥ पद्मदसुंमिमुलिनं ॥ वरुण  
ममपरीमानं गमममे उगीयकभा ॥ वरुण  
ममपरीमानं नीलकं भुङ्गाभभा ॥ ३



सुवर्णभद्रमणि ॥ ८८ ॥ कं विमित्रयुत ॥  
सुधीउप्रवर्णुत नीलेयलमलभूतं ॥ म  
मिलं तुविष्णीयं सुभंमैव विमित्रयुत ॥  
ममिभक्तुभभभ्राष्टं जंजुभेमकभत्रिकभा ॥  
मन्मदपभुतीकंमं ॥ पश्चिभं तुविमित्रयुत ॥  
सुसुमकं रवंमवं ॥ भवकं मलभूतं ॥

पुण्येयमुयजङ्गु किंप्रभिसिद्धिमानवः  
 प्रवेयम्भयः पुतः सपेगसक्तिमंत  
 भभायः मसं कवंपुं उमुतामसमेव  
 व. दि कवंप्रलियङ्गु उमुतामसमेव  
 ह. रंसङ्गलवमनं गभीरुतनिभुनं भुमन  
 २ पुंममपुय कवंप्रभिसिद्धिमानवः

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
पद्मे नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥  
कश्चिद्भक्त्या हृदि निधाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥  
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥  
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥  
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥  
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

गमकममयिनेपरमपुन ०० मिवयपगमं म

मउ विहवमपमयने मउययभमयु

यभमइविमपदेउवे ०० मउममपुपुपा

यभउभइककुपिले पिममिममममम

००: श्रीमपुउयमभुवे ०० म: मउिग पिम

मिभउभककममिले मउिगममपिमम



मन्त्रधिलभिनं ०७ नमः भगवते  
स परानन्दे धिनि निगिपल्लनभुहं ये  
जने प्रणितात्तुन ३ इयनिदलनेयेगभ  
भल्लभिउप्रतुये घरयुभवविनीक विष्णु  
पापलरातुवे १० नभिसुयशुभा यशु  
वधरभधिने योरभंसभकगदिनि

कणिल ३३ कलमिमिडिपदुधुधालिनवि  
कवनमः रदल्लयभजभेदसुतुविमंभदुव ३३  
कमयभेदभकेम कमनमिवकनव केगमि  
ककलधुपि केउयोग विपयिन ३८ नमः  
परमनिष्ठा ललयिनमन्मभेलय पेधयभ  
वमकुल्ल भववधुयडुपिल्ल ३५ खल्लय

नमःमवयभवय  
भवभमभडुगिल्ल

गवाउय नभसुरावरविल्लि विट्ठयभप्रवठु  
यभवउरउमयउ पिधायपरमनउमरा  
यापुमरायउ नभेवकुउयउहंठवयठव  
ठमिने ७१ गभयउमीमभु मयिनेमिह  
कमल नमःमलभउठउ विभुकरमिने  
न ७३ उमःपरपुठिपुय भवउभनमयि



नमः भगवते उदयसुधाधिपतये विष्णुपुत्रे १७ न  
वसुधाधिराजस्य नमः सुधाधिपतये पराधरपति  
भक्तभक्तिराजनमः ३० कठिणपिलवि  
सुधाधिराजस्य नमः भक्तसुधाधिराजस्य  
भक्तभक्तभक्तभक्त ३० मन्त्राय मन्त्राय  
मन्त्राय मन्त्राय ३० मन्त्राय मन्त्राय

व.  
रु.  
५

कुमतेनमः ३३ भवन्नुत्तुपय भवन्नु  
मकमजय भवन्नायभवय नभन्नुभववमि  
न ३३ रष्टयवल्लक वत्तुमिदवायमकुलि  
न नमः प्रथममधुय भवन्नुदलमयिन ३८  
उमदमयउत्तु हमेनेवकमिने भवन्नुवना  
वयकत्रिगष्ट भवन्नुमः ३५ मक्तिगठ भवन्नु



ममल्लयमगीरिल मगतिपुष्पमिमापुःकुमाप  
कथनमेनमः ॐ स्वकुक्षुलिनीगठ भवेण  
भुमजयै उमेकनपादप्रेम परभाकरभ  
दुयै ॐ ममकुक्षुभक्तु गमिगलेमिउ  
इने नमकुक्षुभक्तुभीनकीपिल विमुवाठिल ॐ  
उवगलिभमकुक्षुउवकिङ्कल वक्तु भिनी धन

ॐ नमः



कुडविकल्पतु विस्ववुविलगधने ३७ केगि  
नेष्टमनकुम्भि पेरुम्भिभलवुवाचिल्ल नमस्तु  
भवत्तुष्टाय धरमभउल्लिने ५० नळकेठि  
भमचैम रुगिडायिलभापुय नमः सतिम  
गीरय केदिष्टिउयभाहिने ५० भजभेजमल  
वातु र्गीववनयवेपिने भजभुगय

नमो कण्ठाय च ५३ सुनेष्टुलनमो क० भूत  
ये विष्णुभूतये नमो भूतभूतमैव नमो भूतभूत  
भूत ५४ नमो विलम्बितवीदमनवंसाविन  
मनो नमो यमविभूतमैव नमो भूतभूत ५५  
सुवचनमैव नमो भूतभूतमैव नमो भूतभूत  
ममभूतमैव नमो भूतभूतमैव नमो भूतभूत ५६ उपपत्ति

नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं  
नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं  
यत्किञ्चिदंभजन्तुं सत्त्वयभलं नमस्तुभं  
उभे नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं  
यत्किञ्चिदंभजन्तुं सत्त्वयभलं नमस्तुभं  
नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं नमस्तुभं





कमधककमु भमधल्लुषमभक ५३ ममि

रजितुधपे चममीनखगचिते ठजियजिउ

माउं नमीयं पगमीमिउ ५३ पकुनं भवि

येमैवि नञ्ज देमचम नमिउ नञ्जमंममिउ

भउल विप्र नञ्ज नञ्जकमः ५४ उरुका

यउयनञ्ज वउल नञ्जममयः नञ्जमम

मनञ्ज नञ्जमय नञ्जमम नञ्जमम नञ्जमम

यउल नञ्जमम नञ्जमम नञ्जमम नञ्जमम



भिममस्तु कुरुमस्तु नमः ५५ तिमरी  
कुमरीमस्तु कुरुमस्तु नमः ५६ तिमरी  
चपतिस्तु कुरुमस्तु नमः ५७ तिमरी  
हस्तु कुरुमस्तु नमः ५८ तिमरी  
येस्तु कुरुमस्तु नमः ५९ तिमरी  
वस्तु कुरुमस्तु नमः ६० तिमरी



ॐ त्रिमूर्तिवन्द्यपराक्रमेष्टं मम प्रलम्भमाश्रयम् ॥

सुखम् ॥ कष्टम् ॥











ॐ श्रीगुरुभक्तमः ॥ ॐ ॥

ॐ श्रीगुरुभक्तमः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

कपगपकः शकल ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

मथमठ

ॐ ॐ ॐ

कककिक्की कुकुक्क केके

कंकः

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ



$\frac{m}{n} \cdot \frac{r}{s} = \frac{mr}{ns}$

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1880 1881 1882 1883 1884 1885 1886 1887 1888 1889 1890 1891 1892 1893 1894 1895 1896 1897 1898 1899 1900 1901 1902 1903 1904 1905 1906 1907 1908 1909 1910 1911 1912 1913 1914 1915 1916 1917 1918 1919 1920 1921 1922 1923 1924 1925 1926 1927 1928 1929 1930 1931 1932 1933 1934 1935 1936 1937 1938 1939 1940 1941 1942 1943 1944 1945 1946 1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698

*Juniper*

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

$$\frac{33}{\sqrt{33}} = \sqrt{33} \cdot \frac{\sqrt{33}}{\sqrt{33}} = \sqrt{33} \cdot \frac{1}{\sqrt{33}}$$

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२५ दिने ॥ २५ दिने ॥ २५ दिने ॥

॥ पयल ॥

[illegible]



ॐ नमो भगवते ॥ ॐ लीलावतु अयि  
उद्युपुगपिललिकं लेकती उये गिति  
गुल्लुमिभायुं वल्लमिहचेलिभभा  
हुगिपाहुं गेगीभभुभभुगुहमीम  
हमीह ० सुसुपयसलेसविनसं  
दिमणनं पयभुगुगुनयगुं



पुनः ध्यातुं ॥ गंसी भीम ॥ चण्ड ॥ दुरंग ॥ उतुवमं ॥  
नेंगी ॥ ३ ॥ भृगु ॥ दुरंग ॥ चण्ड ॥ भम ॥ भगि ॥ भि ॥ भि ॥  
॥ नि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥  
भृगु ॥ चण्ड ॥ भम ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥  
भृगु ॥ चण्ड ॥ भम ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥  
भृगु ॥ चण्ड ॥ भम ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥  
भृगु ॥ चण्ड ॥ भम ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥  
भृगु ॥ चण्ड ॥ भम ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥ भि ॥

ने  
०

प्रलापगभजिउवतीविपिरनुं भे  
रंसांभुपभविदयगुगलिउगुं प्रियं  
भुंभुप्रभुउरुंउरुभुं निगीभ ५  
ननुकः सजिकमभुवुवनानि उ  
प्रभुंकीरुडियभेभुयमेव कलु  
भीउंकलुलउभानडिदं निगी

सुद्धिकारु भगवत्पुत्रा विलभन्ती अउक्क  
उक्कुकमधुमविन्ती मयवद्भुत्त  
मयीतुं उक्कमयुं गेगी १ यमुः उ  
कीलीचभापकुं एगमकुं अयेअयः  
भगवद्भुत्तमेव उक्कमयुं उक्क  
एकमेव विगन्ती गेगी भगवत्पुत्रा उ

नो  
३



यशुभेउउउभमेधंभलिभलं अइय  
इउगधिसंरंयधिसंरं ॥ उभमुउ  
पुनयमृगभनीयं ॥ गेगी ॥ ७ ॥  
निटः भउनिधुलाणकेगगमीमः  
भङ्गीयशुः भनविणेभंरुस  
विशुइ ॥ इरुनमीलं मिवपंडी ॥

नेगी ०० भूतः कालेठवविभुद्धः  
भूतिपन्नरुद्ध निहं गाल्दतिगेगी  
ममकंयः वगंमभिद्धिंमभमभुद्धः  
मिवठडिं उभुवसुं पवउभुडीविण  
मति ॥ ०० उडिमीनेगीभिंम  
मप्रलभमभभुमा ॥ सुठभा ॥

ने  
७

ॐ श्रीनमः सिद्धाय ॥ ॐ वृत्तः परं भवप्रगल्भं  
हृदिः मेधयन्ति पदं पवित्रं कं शयः प्रपद्यि भवति  
भिमनं वपुः भिमं कवमं दितायते ॥ ॥ ॥ वृत्त  
श्रीसिद्धकवमं भुङ्क्ते भुङ्क्ते ॥ यथारुणी सुगन्धिः ॥  
पद्मि सुतः ॥ श्रीभक्तसिद्धिभक्तं भुङ्क्ते ॥  
हं वीर्यं ॥ ह्रीमतिः ॥ ह्रींकीलकं ॥ श्रीधुमे  
वपुः भिमं भुङ्क्ते भुङ्क्ते ॥ सिद्धकवमं पण्ये



[illegible]

ॐ मिं न भैरव उ भद्र कृष्ण यशु ल ३ यशु ल  
भगलिने ॥ ॐ मं ह्रीं मीं लीं मं मिं न भगभिक  
हं नमः ॥ ॐ वं न भैरव उ भद्र कृष्ण य  
शु ल ३ यशु ल भगलिने ॥ ॐ मं ह्रीं मीं लीं मं  
वं कनिष्क हं नमः ॥ ॐ यं न भैरव उ  
भद्र कृष्ण यशु ल ३ यशु ल भगलिने ॥ ॐ मं  
ह्रीं मीं लीं मं यं कग उ ल क ग य शु हं नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 सुल ३ सुल भगवते ॥ ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॥ ॐ ॐ ॐ ॥  
 मय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 सुल ३ सुल भगवते ॥ ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॥ मि  
 मय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 सुल ३ सुल भगवते ॥ ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॥ मि  
 कं मं मिमयैवैव ॥ ॐ मि नमो भगवते वासुदेवाय ॥



मङ्गलमङ्गलमङ्गल ३ मङ्गलमङ्गलिन ॥ ॐ मङ्गलीं  
लीं मङ्गलिं कङ्कमङ्गल ॥ ॐ वं नमो भगवते मङ्ग  
मङ्गलमङ्गलमङ्गल ३ मङ्गलमङ्गलिन ॥ ॐ मङ्गलीं मङ्गलीं  
मङ्गलं नमो भगवते मङ्गल ॥ ॐ यं नमो भगवते  
मङ्गलमङ्गलमङ्गल ३ मङ्गलमङ्गलिन ॥ ॐ मङ्गलीं  
मङ्गलीं मङ्गलं मङ्गलमङ्गल ॥ ॐ मङ्गलीं मङ्गलीं  
मङ्गलमङ्गल ॥ वङ्गलं मङ्गलिनं कङ्कलं मङ्गलं

[illegible]

नमः॥ ॐ वं दाय दृष्टुं प्रपं मम दयामि  
नमः॥ ॐ गं व दृष्टुं प्रपं मम दयामि नमः॥  
ॐ यं मम उ दृष्टुं प्रपं मम दयामि  
नमः॥ ॐ मं म व दृष्टुं प्रपं मम दयामि  
मि कं मम दयामि नमः ॐ ॥ ॐ मि म नमो  
मम नमः मम दृष्टुं ॐ ॥ ॐ मम दयामि नमः  
नमः ॐ ॥ ॐ मम दयामि नमः ॐ ॥ ॐ नमः



मिवायुभ्रलं ॥ ००० ॥ यद्यमजिरगपं कुद  
 उ। ॐ णिठियेगीसुगउवम ॥ ॐ नमभुद  
 भदम्यं विसृष्टं पिनभीसुगम ॥ वस्तुमिदंभयं  
 वमभचगक्रकंन ॥ ० ॥ सुमेमेमेमभाभी  
 नैयववकुलिउभनः ॥ गिउदिद्वियेगिउपु  
 ॥ ॥ गिउयेमिदमभयं ॥ ३ ॥ हूउ ५ गीकनु  
 गभत्रिविधं भउरगभउपुनठवकर्म ॥ ॥

मि.  
 क.  
 ५

शुभीरियं अङ्गमननुभां हं पुयेदुगाननमयं  
देसं ॥ ३ ॥ पुनवप्रतापिलकमरुतुस्त्रिगंमि  
माननुनिमयुमेतः ॥ धनुजगुणममभादि  
तापुमेव ननुदपुवमेनरगभा ॥ ४ ॥ भंयतु  
मेवोपिलमेवतापुमंभगुपुपतिउंगलीगं  
यत्रभमिहं वरमनुअलं पुनैतुमेमचमयं  
हमिभुभा ॥ ५ ॥ भवइभंगरुतुविशुअडिः ॥

मृष्टिदिग्गयान्नमभयाः मिराङ्गु ॥ सुमिराङ्गी  
यान्नमभयाः ॥ भगंस्वरः ॥ पाउठयाममेधा  
॥ ॥ येद्वसुङ्गपे ॥ विठडिविस्वपय ॥ यद्व  
द्वमेनिगिमेमुप्रुडिः ॥ येपंस्वङ्गपे ॥ नृपं  
कडिभंरणीवनेमेवडभंरगलेष्टः ॥ ॥ कल  
मभनेष्टवनिमपुमभचगि ॥ येनष्टुगिगि  
लीलः ॥ भकलनष्टवडभंरगलेष्टः ॥ वष्ट

मि.  
क.  
५



मिठीउंगपिलामुतापाउ॥३॥भूमीप्रविष्टुङ्क  
 नकदठभेविष्टुवगठीउिङ्कणगपलिः॥  
 मउमुपमुष्टुगधभिनेइः॥प्रमुंमिमिग  
 उभभरणभूमा॥७॥उणवमामुमपास  
 मुलकथालकुकुगउउनगणनः॥मउमु  
 पिनीलकमिमिभिनेइः॥पायगुमपेरेमिमिम  
 किमुं॥०॥उवमुममुमिक्वम

मि.  
क.

मन्त्रं च पञ्चमः ॥०३॥ अचनभमृदुमम  
चुभेगलिङ्गलंभमृदुममचलनेः ॥ नैवेभम  
हृदुगनेङ्गरी नभंभममृदुविमृनः ॥०४॥  
पायामृतीभमृतिगीडकीडिः कथेलभमृदुदुतं  
कथाली ॥ वहुंभममृदुपादवतुमिदंभममृदु  
उवेममिदः ॥०५॥ कंठं गिगीमिदुनीलकंठः  
थगलिङ्गयंभमृदुपिनकथगलिः ॥ मिदुलभमृदु



[illegible]

वः इयभुकः पाउउगीययामेवधसुगः पा  
उमिनुयामे ॥ ९७ ॥ पायत्रिसमीसमिस  
परेभंगगङ्गापरेगङ्गाउमंगिसीवे ॥ गेगीपातिः  
पाउनिसादमाने भाउगुयेगङ्गाउमचकलं ॥  
३० ॥ सुतः भित्तं गङ्गासमुद्रं भंगगङ्गाः भमा  
पाउरादिः भित्तं भमा ॥ उमनुवपाउपातिः  
पकुनं भमासिवरगङ्गाउमंगमभनुग ॥ ९८ ॥

तिष्ठुतुगहृदुवनेकनाथः॥ पायादुल्लङ्घि  
भयगणिनाथः॥ वेमात्रुवहृदुभगविधा॥  
भभहृयः पादुमिवः सयानभा॥ ३३॥ भाने  
धुभंगकडनीलकण्ठः॥ मैलामिदुनेधुपगइया  
विः॥ सुगहृदुवभामिभद'पुवामे पायादुल्ल  
मि. वृणुतुमगमजिः॥ ३३॥ कलुत्रकलिगुप  
क. दधुकेपभृदुदुदुभैसुलिताधुकेमः॥  
उ



अग्निसमन्तः खड्गवद्विदग्धमिदं कथं कथं वीर  
 कम् ॥ ३३ ॥ धृष्टसुभान्द्रा अपरदत्तविनीम  
 दभूलक्षुण्डकेण्ठिनीयम् ॥ ३४ ॥ दिग्ग  
 नं सतमन्ततगयिनं किञ्चु मूर्ध्नि अग्न्युष्ण  
 पण्डित ॥ ३५ ॥ निद्रुमसुन्दरलयानलानि  
 उन्मूलयिष्यन्ति इष्यन्ति कथं ॥ मन्त्रुल्लसि  
 दम्बकमिदिभुम्बु मयद्वैमणः वि

नकः॥३॥ इः श्रुतः सज्जनसुनतिमिदं  
श्रुतिमिदं श्रुतिमिदं श्रुतिमिदं श्रुतिमिदं  
मय विधिगीतिममंगुदतिष्टुणीसुनसयडम  
गगुमणीमः॥३१॥ यथपकमगुगुतल  
गदममंगुदतिष्टुणीसुनसयडम  
मि. दनीलकठपरमीसुगयमयडम निचुडपम  
क. समिनिमलसुसुमेद॥३३॥ इष्टममदम

मृगिभनुः॥७॥ तं नमो भगवते मम सिवाय ॥  
भक्तलउडुङ्कय ॥ भवभनुभकुथाय ॥ भवउडु  
विद्राग्य ॥ इन्द्रविष्णुरुद्रवडागिल्ले ॥ नीलक  
ठंग्य ॥ भाचडीभनेदराय ॥ मिमप्रदापिल्ले  
मन्याय ॥ ठमिसुलिउविगुडाय ॥ भडाभान्निधु  
पुण्णाय ॥ भपिभिजिलियकराय ॥ मङ्ग  
वरुंभकाय ॥ भडाकालरुमनाय ॥ भला



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 भवन्महात्मिनां वरः ॥ धर्मः सुखदायकः ॥ वैभवात्तुभ  
 गाय ॥ शिवनमः ॥ पुनः कर्कशं वृद्धं  
 भुङ्क्ष्वनकाय ॥ पुनः ॥ वासुकि ॥ उक्तं ॥ क  
 क ॥ मङ्गल ॥ जलिक ॥ धर्म ॥ भद्राधर्म ॥  
 निः ॥ नगार्द्ध ॥ भू ॥ वसुधाय ॥ मित्रक  
 कः ॥ य ॥ उक्तं ॥ मित्रक ॥ गूढनरुडभगति

ने॥ भकलकलगुगदिउय॥ भकललिकै  
ककडे॥ भकललिकैककडे॥ भकललिकैक  
गवे॥ भकललिकैकभगिल्ल॥ भकलनिग  
भगुगुय॥ भकलवेमाउपगुगुय॥ भक  
ललिकैकदगभुमाय॥ भकललिकैसगुग  
य॥ समगुगुमापगुय॥ मसुउत्रिएवाभगुय  
निरगुठभगुय॥ निरगुभयगुय॥ निमलुय

निम्नगय॥ निम्नितुय॥ निम्नदुग्गय॥ नि  
गजुल्लय॥ निधुल्लय॥ निधुभय॥ नि  
मपुवय॥ निग्दुय॥ निग्जुय॥ निधु  
गुय॥ निग्जुय॥ निधुपाय॥ निःभ  
य॥ निम्नय॥ निग्गय॥ निग्ग  
मि० य॥ निधुय॥ निम्नय॥ निधुय॥  
०० निम्नय॥ निचिक्लुय॥ निम्नय॥



निधियय ॥ निगङ्गनय ॥ निधूलय ॥ निः  
भंसयय ॥ निरुपभविठवय ॥ निहसुसु  
हूपगिप्रलभस्मिरुचनगङ्गयय ॥ पंगभ  
साउभुङ्गयय ॥ उरिङ्गयय ॥ उरिभय  
य ॥ गय ॥ गय ॥ गङ्ग ॥ भङ्गगङ्ग ॥ नमुव  
उग ॥ भङ्गठग ॥ कलठग ॥ कलुठग  
व ॥ कपलभालग ॥ पङ्ग ॥ पङ्ग

मम॥पामसुस॥मुभर॥इकुल॥गप॥  
पावुव॥गमसजि॥ठिथिथल॥उभर॥  
भभल॥भभ॥भभ॥परिप॥मुभभि॥स  
उपि॥मभयु॥<sup>१०</sup>ठीध॥कर॥भभभभप॥  
मभु॥करलवमन॥विकलपुडम॥विभ  
गिउ॥मुभभभल॥नगिमुजु॥ल॥न  
गचुडग॥नगिमुवलंय॥नगिमु॥मभप

१॥ हृत्पद्ममवेष्टित॥ भद्राङ्गय॥ हृत्पद्म॥ १  
दिप्राङ्गुक॥ विष्णुप॥ विष्णुपद्म॥ विष्णुपद्म॥  
गोधरुवादन॥ विष्णुपद्म॥ विष्णुपद्म॥ भद्र  
उभाप॥ गूढल॥ गूढल॥ भद्राङ्गय॥ नमः॥  
॥३॥ सुप्रभद्राङ्गय॥ नमः॥ ३॥ भद्राङ्गय॥ नमः॥  
सय॥ ३॥ विष्णुपद्म॥ नमः॥ ३॥ गीता  
नमः॥ ३॥ सुलेनविमलय॥ ३॥ मङ्गल



सुखाय ॥ ३ ॥ ऊर्णैः ठिदि ॥ ३ ॥ पङ्कनष्टि  
नि ॥ ३ ॥ पङ्कनष्टि विधिषय ॥ ३ ॥ भुल्लेननि  
धीषय ॥ ३ ॥ नालैः भुल्लेनय ॥ ३ ॥ रङ्गमि  
ठीषय ॥ ३ ॥ ऊर्णैः विधिषय ॥ ३ ॥ ऊर्णैः  
वैतलभगीन ॥ ३ ॥ ऊर्णैः भुल्लेनय ॥ ३ ॥  
मि ॥ ३ ॥ भुल्लेनय ॥ ३ ॥ विधिषय ॥ ३ ॥  
य ॥ ३ ॥ सुः पङ्कनष्टि ॥ ३ ॥ सुः

ॐ निवारय ॥ ३ ॥ नरकठय नमं भद्र ॥ ३ ॥  
सुनत्रकृष्णवीर्य नमं भाद्रवीर्य ॥ ३ ॥ मि  
कवमनमं सुसुमय ॥ ३ ॥ ॐ हृष्टकनमसु ॥ वि  
यष्टकनमसु ॥ ॐ भद्रमिवयु नमं नमसु ॥ ३ ॥  
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ  
मं मैवं धर्मं हृत्तं भयं ॥ भद्रवर्ण भूमन  
गडं भद्रमं दिनं ॥ यः भद्रवर्णयः

३॥ सैवंकदमभुडभं॥ नउभुएयउउअपिठयं  
सभुएउगुडउ॥ श्रीगुपुपुभुडचभुडरेग  
गउपिडा॥ भडुः प्रापभवपुतिमीजमपुसुवि  
त्राति॥ भचमगिहूसभनंभचभनलुवचन॥  
यिमउकुवमंसैवंभमवैरपिप्रहउ॥ भठपउक  
मि. भडुउमुमुउमैपयउकैः॥ मडउभजिभपु  
कि. उमिचयम, उठयउः॥ इभगुपिसुसुयवडु॥



[illegible]

उभे प्रणलं वरुण्डुमं भूतभीमरणीवः ॥०॥  
वगदुभिनदुभाधिभचरभगमिपटं ॥ नकुप  
रुगयमं नपमं विमडुः ॥ अथैठयभिय  
मिमनूनिमनूनिम ॥ इदुमथदुमगल  
भउकगनुदुमः ॥ ३ ॥ एमनूनिमनुमभ  
मि. इवमडापिकगनि ॥ भयममविमडुमिडु ॥  
क. भवेपडुडेः ॥ किंमिम ॥ उचभपिउमग ॥  
०५

गवित्रात्रयैउमेकमयभीमनभेनभसु॥ ७ ॥  
सूक्ष्मवयगयभनयउमेकमे॥ नभुवकेयम  
उगभयकममः॥ भग्नगउग॥ उगीरुवव  
गिमेमे॥ भग्नगिभभुउनगणिकवठव  
मे॥ ८ ॥ ११ ॥ उः किंउगभिनयहयम  
उकेमं॥ लवलेपममयः॥ किमयंभद  
म॥ भग्नभभुभु॥ यकमयभुभीरु

दीर्घ



ॐ पञ्चगुरः प्रतिमिमं विभुपुत्रं ॥ कुरं  
 दुतातुतकं दलिपमपमिमं ॥ कुरं  
 मिदुपमं भुलपमिमं ॥ पीतलुपमिमं  
 ० वदुनिमिकमता ॥ ॥ ५ ॥ धिनसिम  
 गतातममिउतु ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

ॐ  
 ॐ  
 ॐ

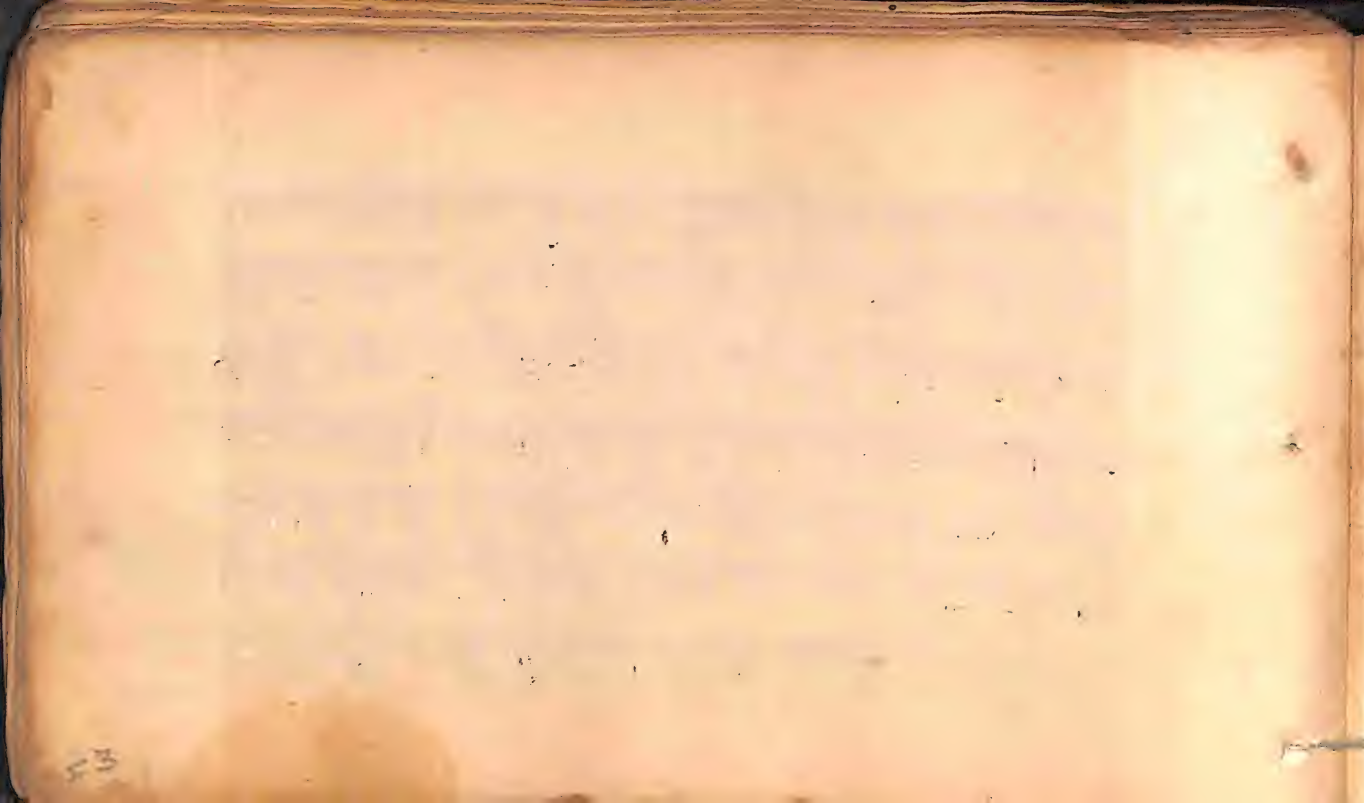
ॐ सुमे कम्भु मङ्गलु यतिक लुपं भाङ्ग  
उमी मिउधु ॥ उमुङ्ग मेपु मये हव यतिनि  
उंग्ग ० गिउवमः ॥ यमुङ्ग उङ्गपि विध  
गति विममं सङ्ग उ कनवन्तु ॥ मङ्गु मेपगण  
मिद मिद मिदः ॥ श्री मङ्ग मवमभुः ॥ ० ॥ ॥  
वङ्गु मङ्गु गिउ क मल लु उवभुः ॥ मुह  
थाने पिपामा ॥ नै मङ्ग मेमिय ॥ ॐ ॥ ॥

॥ एतानि उक्तानि तु विभक्त्याऽऽहः ॥ नानागैरीकु  
 द्वापः नमनपरवसः सङ्कृतं नम्रगमि ॥ ननु  
 हेमे ॥ ३ ॥ भूमेदं येन न भूविषयविष  
 पः पादुकिः मन्त्रभूते ॥ मन्त्रे न भूविदेकः  
 भुतपत्रयवतिभुगमैः हेमिधः ॥ सैवी  
 मि. मित्राष्टनीनं भमहमयमदे ॥ भानगच  
 ३ पित्रुं ॥ ननु हेमे ॥ ३ ॥ वचने मे नृय

०७



















ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ शुभं श्री सुभनमै एनम  
उभु भेन थपु पविः सुतलेनमः ऊमैरेवतः  
सुभनमै एन विनियेनः थपिदुया पतलेन  
ह्री सुपारमै एनमः भमालुठगुणै नमः अदि  
नमः भयंनमः श्री थपिदुनमः पूवडि पूव  
सुनति उतिदुमं उदु सुपमं उउउउता पू  
ॐ यमं उदुदु वमं वममं उउउउता पू  
ॐ गीउमैयं वमं थपिदु परमं उउउउता  
मै वनमपति नमै एन यदुगुमिमाता ॥

[illegible]

[illegible]



ह्रींमजिः उह्र जमः कीलकं धार्येः मण्डवि  
नियेगः भवमेषु ॥ नं वगुधक नीउल्लने  
हुं गुं भवमण्डं नै वगुधकं नै कनिधु  
कण्डं नः कण्डलकण्डुधुण्डं ॥ नं वगुधक  
नीमिगमीधुण्डं गुं मियायवैधु नै कवम  
यजं नै नैइइययवैधु नः वगुधक  
भुण्डवमंजुयडा पुन विवममिग नय  
३ इ उधुनययविक्रम वजुनउधु यमीमदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ भूलोकमहामुखाय ॥ ॥  
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ भूलोकमहामुखाय  
भुवनेश्वराय नमः भुवनेश्वराय नमः ॐ नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमः ॥

भावे श्रीवर्गगणेशसुखवताय नमः हृदि  
गंभीरं नमो ह्रीमजिः ॐ ह्रीं कीलकं  
पद्मे गणेशचरणौ ॥ ॐ श्री गणेशाय  
ह्रीं ग्लानं ह्रीं भद्रं ह्रीं गणेशाय  
सुखं ह्रीं वरगणेशाय नमः कृतिषु  
कृतं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ह्रीं मित्र  
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ह्रीं मित्र  
ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ह्रीं मित्र



पठये कवमायंजं वरुगमभचमं नैडडिया  
यैवेल वमभानयभुडा सुभुयडेल ॥ ॥  
भुययभंजुदडा एनं गिगीभुडडिनड ॥  
गयड मीवडडा विमभड ह्रींलीणकमडा  
यमीभडि पुंणंणपडिः भुमेमयय ३ ॥  
उड्डीलनं गंभुलं ह्रीं ३ भाड्डीवनं भुलं गंणं ३  
सायडने उंणंणल सायडडु सायंभिसय ३  
नम ०॥ उंभुलं उंभीह्रींलींलिंणंणपड





[illegible]



मः सज्जिः ॐ कीलकं गणपे विनियोगः ॥  
श्रीसुभउसुरेमेवडा मगमि बुद्धपयनमः स  
गसि गणपतीकनमेनमः भापे श्रीसुभउतीसुरेमे  
वयनमः हृदि गुंवीमेनमः नमो मः सज्जिः  
नमः पुष्ट ॐ कीलकयनमः धारये गणपे  
भुचणेषुः भुत्तुमः पूजयामं पुनम  
ॐ मद्रुचभालिभगि शुक्रभगमिमेवं पुष्ट  
चुवि भुवमनकभलभनकुं धीपुपप

ॐ  
५

उक्तं सायुक्ता न्यायं मुनिवन्दिनं  
भुते सुगमं सुयगमि ॥ गायत्री ॥ ॥  
ॐ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः  
सुभउसुगमं सुयगमि ७ ॐ सुभउलभतुः ॥ ॐ नृं  
भः सुभउसुगमं सुयगमि ०७ ॥ प्रवक्ष्यामि नमः  
उक्तं ॥ ॥ ॐ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः  
यगदि सुभउसुगमं सुयगमि ०७ ॥ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः  
॥ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः ॥ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः  
सुभउसुगमं सुयगमि ०७ ॥ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः  
॥ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः ॥ सुभजीसुयविद्मदि नृं देवमिदं यणीमादि भुतेः

[illegible]



[illegible]

कमं ॥ गायत्री नमो भगवते ३ अलं तं नमो भगव  
॥ ००३ ॥ प्रवक्ष्यामि तमः उद्यमं ॥ तं श्रीमद्भाग  
युते नमः भगवते नमः भगवते नमः ॥ तं सुकमा  
तं प्रवक्ष्यामि तमः गायत्री नमः ॥ तं सुकमा  
हृदि भगवते नमः प्रवक्ष्यामि तमः ॥ तं सुकमा  
यः प्रवक्ष्यामि तमः ॥ तं सुकमा  
तं प्रवक्ष्यामि तमः ॥ तं सुकमा  
॥ तं सुकमा

मेवता कनसुवृष्टीनिंभेककगलुभुत्तुं  
दुकागलुभुत्तुं विस्वभित्तुपिस्वुत्तुं  
गयत्तुंभित्तुत्तुं मेवत्तुंयत्तुंयत्तुं  
दुयत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुं  
पपुत्तुंमिन्नी नगयत्तुंयत्तुंयत्तुं  
तिभभत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुं  
विष्णुत्तुं गयत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुं  
उः भुत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुंयत्तुं



इत्थाणवम उरुसुषुसुमेवसुमेवत भभमह  
 उरु एवमभंष्टुमेवतं विनिधिगुमात्रम्  
 उरु गायहृमिपभभहृगायहृवभभतु  
 उः सुदुनसुपः परिमिष्टुप्राण्यभंनु  
 दत्ता उरुगिभीतिगायहृभवाहृमेव  
 नभंष्टु उरुगलेभि भिदेभि वल्लभभि  
 उरुगलेभि मेवगन्तुभनभभि विषुभ  
 भिदिष्टायः भयभभिभवयु प्रच्छिः

उ  
 उ

[illegible]

भट्टमिगभि तैः हृमययनमः तैः ह्रवः  
मिगमेभ्रुदा तैः श्रुः मिपयैवधण तैः भद्रः  
कवमयद्रुमा तैः गानः नैः ह्रैवधण तैः  
उयः भट्टमयद्रुमा तैः उद्रुविद्रुगुद्रु  
नमः उद्रुगुद्रुनीहं नमः उद्रुगुद्रु  
एभ्रुहं नमः पीभद्रिभ्रुगुद्रुनमः  
तैः पिथैयैनः कनिभ्रुगुद्रुनमः भ्रुमैय  
७ उद्रुगुद्रुनमः उद्रुगुद्रुः भवि



उल्लास्यैः कौं कं कं कनेनै मेवमु  
हमि पीभदिकुं पिथिनुभिकयं यः  
मकथैः नः लललल भूमिमयमसिगमि  
उउउविउहमययनमः कौं कं मिगमे  
भण्ड कनेमेवमुमिपयैवधल पीभदि  
कवमयं पिथियेनः नै कं कं कं कं  
भूमिमयमसिगमि ययः भनयेः  
होतीनेइयेः भभभाय भभउलललल ॥

वक्रकुवः भुगेंसिगभि ॥ चसभदुः नभभु  
रः ३५ ॥ उडकुभयनमः भभभुएयन  
मः विविउउयनमः उविभीलुयनमः ।  
वदिभापयनमः उदिभापयनमः लिग  
उमुपयनमः चंपादुभापयनमः ठयभ  
पयनमः गेचपेभापयनमः गेचपक  
लुलयेनमः वसुकएयनमः भुयभप  
मयनमः पीगुजिकयनमः भभभुये

ॐ  
००

मृणालयनमः त्रिविलयनमः पिमसि  
कयनमः येभीनयनमः येज्जुमयनमः  
नः सगदयनमः भूमिदनुयनमः मे  
भदनुयनमः मधुमयनमः यदुल  
यनमः ॥ १० उदुविउगिउिभनुधु दि  
मुमिनुपिः गयंडीमुनः मविउमवउ  
यउडिगीरं इउडिमजिः नउडिकील  
कं मयिमाप यदुमिगः मरुमिगय वि



धुः हृदयं धविनीयेनिः प्रणम्य धनचुने  
 मानभमानः सुउवलः भाग्यवर्गिणः  
 मउचिमहद्वगद्विपन्नः धनुर्गः धनुर्मा  
 धेधुनयमेदिनियेगः ॥ मउचिणधुनय  
 उगभिद्वयेरापेविनियेगः ॥ श्रीविद्वधुद्विजे  
 रापेविनियेगः ॥ प्रणम्य यमं कुद्वजं ॥  
 ॐ नमो ॥ ॐ भुजविद्वधुमहमनीलपव  
 लकृयेरापे श्रीकृष्णद्विजमिद्विचवृद्ध

ॐ  
 ॐ

भक्त्युत्तुङ्गवल्गुङ्गिकाभा नयंशीव  
मरुतययुसकंगं कुलंकपुलंगुं मरुस  
कुमषागविन्नायगलं नकुचकउतीठले ॥  
विद्विवागठयपुन्नु संभनैककुउक ॥ ७ ॥  
नेमिभेदुविनुसय मीतिवङ्गा मिमवङ्गाभा  
इजिअंङ्गममेचितङ्गा नमउ न्निउभा ॥  
धुकल्द उममुयु कषमनुदुउमनेः धनु  
ममभुगयडी विधुधुमिधुमङ्गा ॥

नरालंभवलेपुड उम्पुडुगुगभभिक १०  
दिमंगपगलिथरुने मेदिङ्गलेवरंसुठमा भ  
दभेदङ्गलेपुड मविमंगभदतिनिमः२  
भउः भुडीभउनउ यडमासुभमीममे दिङ्ग  
रुभउंभविदि निचिअंथसुभभिद मग  
उनचउरुंभउ उंथगिदिउंङ्ग रुद्र दिपु  
१० ०९ दगङ्गुभुभसुयजिभरेसुरि ११ १० सुभुसी  
उङ्गलिभउंथ रुद्राधिः गायत्रीमुत्रः



दमभाउगायत्रीस्वडागायत्रीगायपुमहृये उ  
 डीलनगायैदिनियेगः ॥ ॐ स्वभुउडुदिउच  
 रै ॐ छनेपीवसुपीमदिपियेयेनः शुभमयगाउ  
 उडुलीलनंकरेभिनमः ॐ ॥ ॐ शुभुसीउेग  
 लभनुभु शुक्रपयिः गायत्रीसुत्रः दमभा  
 उगायत्रीस्वडागायत्रीगायपुमहृये उगायल  
 गायैदिनियेगः ॥ ॐ शुक्र ॐ शुक्र ॐ शुक्र  
 उगायलुंकरेभिनमः ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ शुभुसी ॥

संभिक्षागमयुक्तं विष्णुमिश्रणः विष्णुगणपति  
सूत्रः प्रणयतिप्रवृत्तः संभिक्षागविविनियोगः  
तेन वृद्धं विष्णुमिश्रणं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
संभिक्षागविविनियोगं वृद्धं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
तेन वृद्धं विष्णुमिश्रणं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
संभिक्षागविविनियोगं वृद्धं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
तेन वृद्धं विष्णुमिश्रणं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
संभिक्षागविविनियोगं वृद्धं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
तेन वृद्धं विष्णुमिश्रणं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः  
संभिक्षागविविनियोगं वृद्धं विष्णुगणपतिप्रवृत्तः

[illegible]



णिअकुवधुः नमेरुगवउ गयडुधुयमेभाही  
 वय ३ रुनेमवधुधुपेहीतीरमेभाउं वरुअकु  
 वः भरीं गयडुधुंममयगमिधुगडा ३ ॥  
 णिधुवउउः ॥ ३ मरुमरगगडुनलयली  
 लणविणयिनी वमनं भाउं वनं भुवेममरग  
 गउः ॥ गयंडीकम ३ रिधुं विमिधुगडिमा  
 यिनी वरुकुलुलडुगविडु रणमेकडलुव  
 डं ॥ णिधुविधुनगीमगु विधुअपमिडडुं

णि  
 ५

सुहुं सुहुं मयीं सानुं . भवहुं न कृ भिनी नगण्य  
ल्लुपुहुं सुहुं सुहुं नगण्य नीमिहुं सुहुं सुहुं मदा  
ठीमं पाहुं सुहुं समिपुं हिनेहुं हिपुगणहि सु  
दिने पेहुं वमिहुं मदा मदी सुगी मदी सुहुं  
ली सुहुं वहुं लला वरमं हिपुं मदी मदी सुहुं सु  
सुयी थगण मदा सुहुं सुहुं मी सुं महुं विमक  
गं वगण वरमं नगण्य नीमिहुं मदा मदा मदा  
मं सुहुं महुं सुहुं महुं सुहुं महुं सुहुं महुं

ॐ सुंगी भवकामदुःखं दुःखं च वदन्ति उक्तं रिंभी  
मरुमरुगगदुःखं भविंसीति उक्तं दुःखं भवभुव  
वुतं भव भुवभुवदुःखं भविंसीति उक्तं भवभुवदुःखं  
भवभुवदुःखं भविंसीति उक्तं भवभुवदुःखं भविंसीति  
गिर्वीरुदुःखं भविंसीति उक्तं भविंसीति उक्तं भविंसीति  
विषेविउभा भवदुःखं भविंसीति उक्तं भविंसीति उक्तं  
वामिनी भवदुःखं भविंसीति उक्तं भविंसीति उक्तं  
भुवं भविंसीति उक्तं भविंसीति उक्तं भविंसीति उक्तं



मिउंते मपपपेगंभगभगगंभेपिउगरिंभी क  
विंभीमचसुःपपंभचपपिनिवगिंभी धुडु  
मिंमचसुं वधुंवीविधुप्रमिउं भेधुंमं  
उधुंभीं उधुंभींमिउमिउं भेधुंवीविधिंभी  
मपपं मपुचमनिधेपिउं वधुंमं वधुंमं  
वधुंमंमंमंमंमं मधुंमंमंमंमं धुं धुं  
धुंमंमंमंमंमं मधुंमंमंमंमं मधुंमंमं  
मंमंमंमंमंमं मधुंमंमंमंमं मधुंमंमं

धितं नमोऽस्तु ॥ मित्रं नमोऽस्तु ॥ सव्यं नमोऽस्तु ॥ ॥  
 भवधुं विमलं नमोऽस्तु ॥ सव्यं नमोऽस्तु ॥ मित्रं नमोऽस्तु ॥  
 भवधुं विमलं नमोऽस्तु ॥ सव्यं नमोऽस्तु ॥ मित्रं नमोऽस्तु ॥  
 कव्यं नमोऽस्तु ॥ मित्रं नमोऽस्तु ॥ सव्यं नमोऽस्तु ॥  
 कव्यं नमोऽस्तु ॥ मित्रं नमोऽस्तु ॥ सव्यं नमोऽस्तु ॥  
 विमलं नमोऽस्तु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 ॐ नमोऽस्तु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 ॐ नमोऽस्तु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

品





मेवता गायत्रीमयमिदुये गायत्रीनिर्गणः ।  
ॐ ह्रुदयः भुवः भुवः भुवः भुवः ॐ ७ ॥ प्रचर  
या मगमग हुतापरिताः ॥ ॐ भालं मिगमि  
भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः ॥ ७ ॥  
ॐ भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः  
भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः भुवः  
ॐ ७ ॥ भुवः  
ॐ ७ ॥ भुवः  
ॐ ७ ॥ भुवः  
ॐ ७ ॥ भुवः

ॐ  
०१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्री  
भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ ५३ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्री  
भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ ५३ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्री  
भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ ५३ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्री  
भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ ५३ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्री  
भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ ५३ ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ  
 ॐ  
 ॐ



नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो  
 मि ॐ नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो  
 लेफं नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो  
 उभीतम् ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥  
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
 श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ ह्रीं श्रीं लीं कुवने सुदेवतः ॥ ०००३ भं ॐ ३॥

उत्तमः

ह्रीं उ उ लं भु लं भं गी ह्रीं कुवने सुदेवतः  
 नमो ह्रीं ०० भभुदं ह्रीं ३॥ ह्रीं उ अ उ ह्रीं ॥ पं भे मय उ ह्रीं सय ॥

नमो ह्रीं ०० भभुदं ह्रीं ३॥  
 भलने सुदेवतः ॥ ३३ ३ ० ३ ॥

ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ

उद्यं प्रवववा  
 उत्तमः ॐ ह्रीं ॥

भभभने गव प्रगय ३ भिहुं



३०  
जि

[illegible]

कुंउंदा पुंउंदा धिसमंदा ऊभुंदा सुयभ  
उंदा पुंउयगिनीव भव ३ कम् ३ विहम  
य ३ पुमा ऊधिक मजय ३ वृद्ध नीव  
कडिनीव वैमीव सुमीव म उलीव  
मऊक नीव भउलीव भुऊमीव योगि  
नीव भद योगिनीव सुक मंगगिनीव  
ॐ पुवनगगिनीव पुवनव नीव थउल्लव  
३० भिनीव वेयल्लल्ल ३ भुद्धः विनयः



मीश्रगमनय चक्रगय हिनैय हिसल  
दसुय भद्रमयय भद्रमृतय भद्रय  
भद्रमृतय सुगम ३ उक्तुभद्रमयतुनम  
नमः भद्रांति

Handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page. The text is illegible due to fading and the presence of a large water stain at the top.







ॐ नमो भगवते ॥ ॐ वृद्ध श्रीऽङ्क कीर्तन  
भक्त्युपपादक गणेशः ॥ वृद्ध श्रीऽङ्क  
श्रीऽङ्क कीर्तन ॥ ह्रीं नीलं कवनीसु  
गीमजिः कवनीकीलकं गायत्रीभा  
विही भक्त्युती कवनी उद्देशः ॥ श्रीऽङ्क

भारविनियोगः॥ लक्ष्मी॥ वसुधुहं नमः॥  
कुवनेसुहै॥ उल्लनीहं नमः॥ भादेसुहै॥ भ  
पुभाहं नमः॥ वन्दधुयै॥ सनगभिक  
हं नमः॥ मदभूतयनयै॥ कनिधुकहं  
नमः॥ उद्गुमीठगवहै॥ करउलकरधधु  
हं नमः॥



लङ्गौ हनय यनमः॥ कुवने सुहै मित्र  
मेभुं द॥ भाने सुहै मित्र ये वधन॥  
वदुदभु ये कवग यजुं॥ भदभुनय  
न ये नरे हं वधन॥ उरु नी ठगव  
है नभु यनन॥॥ पुनं॥ त्रि उरु

म्रीष्टि कुलं म्रीष्टि भीतवभृपं सुकभा  
वभेवभृपं मष्टि सुकयवभृप  
भा॥ मष्टि सुनं मष्टि सुनं मष्टि सुनं  
मष्टि सुनं मष्टि सुनं मष्टि सुनं  
मष्टि सुनं मष्टि सुनं मष्टि सुनं  
मष्टि सुनं मष्टि सुनं मष्टि सुनं

ॐ नमो  
 श्री गणेशाय नमः  
 अथ श्री गणेश स्तोत्रम्  
 मङ्गलार्थम्  
 लक्षणम्

नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः  
 दिनेश्वरी चण्डिका श्री गणेशाय नमः  
 श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः  
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो  
 धर्मेश्वरी नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो



पित्रीभद्रदेवीमङ्गलमङ्गलमङ्गल  
मङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल  
मङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल  
मङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल  
मङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल  
मङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल

७

सुभाभदभूकीविष्णुभायः सुलेरुगी॥  
भदेरुगीभजकैसीधिरकुपाभदवर  
ल॥ सुनरुठरुनरुगेगदहीमि  
वधिय॥ मिचउतीकरलीम॥ प्रहम॥  
धरभसुगी॥ उरुलीमरुठपाग॥ उरु





ॐ नमो भगवते ॥ भद्रं कथयन्ति ॥

इति मंत्रवस्तु ॥ मङ्गलं कथयन्ति ॥ ०

कवचीध्वजनीमनःदैभवहृष्टिकमि  
व॥ मित्रकवचीमङ्गलीमङ्गलचर  
मगीरिणी॥ १॥ तदेवमथमैमिहैसु  
तामङ्गलीमङ्गलीमङ्गलीमङ्गलीमङ्गली  
शुभमं धर्तिकारकभा॥ मयधमङ्ग

ऊष्मिन्नाथगुरुविनामनभासत  
भावतुयेष्टुमुमुतेष्टुपिरुनातु  
सुवतुयेष्टुदभंयेलठुतेष्टुल्लिउंठ  
लभा। गगवष्टुभवधेतिमहमेव  
मंसयः। लष्टुमेकंष्टुपेष्टुमुभा

५

१५

गङ्गायामधुति ॥ शिवालंथ० उति  
हं पनं पं हं मभमः ॥ चरगं हं  
रत्रिहं भुत्तु हं पिरवृत्तु गं ॥ लेकु  
भुत्तु भिम्भुत्तु हं मभमः ॥ चरगं हं  
भा ॥ विनमयति गंगामभमः ॥



दशयम। गण्डुलठउरगुण  
विभुलं पनभा। उच्चकभंभुक  
भजेपमं जेपमं भययभा। विहुजे  
लठउविहुभेगुजेभरभंभभा।  
उच्चकभिउंभुइंभहभेवनभंभ

यः ॥

य० भ० य० भ० सु० कै० द० ठ० ध० भ० वि० नी० य०  
भ० दि० मे० तु० लि० नी० य० प्र० भू० ग० ल० ग० भू०  
भ० भू० भ० घ० नी० य० र० ज० वी० न० मि० नी० ज० र०  
जि० भू० भू० नि० भू० भू० मे० द० रु० लि० नी० य० भि०  
हु० ल० क्षी० ध० र० भ० मे० वी० न० व० के० दि० भू०

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ च न न  
भक्त्या न च ॥ सुदुर्लभं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
कर्मणा न च ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
भक्त्या न च ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
यतः श्री कृष्ण ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ  
महेश्वरिभ्यो नमः ॐ  
शिवे नमः ॐ शिवे नमः ॐ

विकभक्तिगीतं भिंदभनभभुरभिद्वुतं  
 मदनं कुचनिहं दुरिउदुःपदं नीरभाभि ०  
 तिस्रकलकुलपउती मरुभष्टेभ्रुती भग्न  
 भग्नपिवती कठकठकयती दुरिउभूधर  
 तीभग्नकद्वेधयती एयति एगति मेवी मू  
 भुक्ती मू उयती ३ तिमउकु एभकवज्ञं प्रले

शुवमनप्रकाश। तद्गुप्तसिद्धिपदं सर्ववीवरम्  
ठयधालिकं प्रुतभंभुंभदनेमीकुणगेने  
धवीतिनी ठवनीकलभंभदवदुभुदुविदुधि  
उं एणदुदिकनीवृद्धविदुदुमिठिःभुनेः  
भुतंभुंभदभेसनीनेभुदंविप्रदगिनी ५  
तिनभेठवते केलभमिपयनभुदंवदुवंभ



देसुं पुनैरुतभाभीनंप्रभवभाषपकलं  
 भुरभुरमिरेरुगलिउडियुगंधुं पुलाभु  
 मिरभान्नीरुगुलिउठधउ १ मीरकि  
 केसुरउवम मेवमेवएगवमभंसयेभुभक  
 मभ गुरुभमेकभिमुभिपुधुं कउवइल  
 मेवउयभुयकभुभेइमेउमिवनिमं ५७३

विगुंन'सदुतः किमपरः परः ७ ५तिथिभू  
भुममेवेनिकेनएगद्गुः भेवमरुगवाने  
केविकभनेरुपदणः ०० श्रीरुगवानुवाम  
भापुभापुगल्लुमुभूथभुवनभिभंगयउ  
भुनभुपिमयमेपुंरुभुंकषयभिउउ ००  
भराकल्दकयेलेकदिभभुद्गुममेउतः

ॐ स्वयंभवीसक्तिः प्रलभ्यते तिस्रिंशत् ०३  
 उभयभयं भवद्वयं भवद्वयैः भवद्वयैः सज्ज  
 तित्तः सक्तिः भवद्वयं प्रलभ्यते तिस्रिंशत् ०३ क८  
 भवद्वयं प्रलभ्यते तिस्रिंशत् ०३ क८  
 रभसक्तिः कर्मभीलतः परं ०४ उतेव गिति  
 विष्टुता सक्तिः सज्जभवीपुत्र प्रलभ्यते तिस्रिंशत्

८  
 ३



उर्वरभाउभरभुती शुद्धीमवैधुवीरिद्धीकेभा  
गीपाचतीमिव भिद्धिरुवुद्धिरुमाउभचभ  
झलमायिनी ०० ज्यैउऊहुउविभुभनपांगम  
पादउ ज्यैउहुहुउभचउभुभेवधुलीयउ ०१  
मुद्धितापुलाउपुताभचठवविनिद्धिउः मुग  
पिताभुताभेवभचभिद्धिपुलायिनी ०३ उभुभ

नगुरुमेवतामेवमुत्तरां भक्तैः नभक्ति  
 ह्युलेह्युलिप्रलिउः ०७ भुवेननेनभक्तुभ  
 भवप्रविवेसभा उक्तहभयभुभुमैसदधरभ  
 उभं ३० उद्भवभयभभुएगमेउत्तरां  
 भभुगभुगगवृचयकारभभानवं ३० भपत्र  
 गंभभभुभुभमैलवनकननं भगमिगुरुनका

छ  
 ५

इंधास्तुतुगुलुविउं ३३ नमिवाभभरुमुलुभु  
वेननेनभवम भवेधराधरां माकिं भभात्रगुरु  
कारिली ३४ इह्नेधरां देवं सग सगुमं विहं ५  
लभुमिरभानकी भूव सधरभेसुरं ३५ मीनमि  
केसुर उवम ठगवदेवमेवेमलेकनषणगहते  
ठजेभिउवम भेभिधुभारः विलुउं भयि ३५



ठगवती



ॐ

वहुभभेएपासभाणिउऊकपालरुधं गजं  
गरगरमनरुलंरिनेरंष्टयेष्टिवभुवनिउंभ  
रुविहललीभा ३३ श्रीभरुमेवउवम ठिभ  
कविहएगऊउभफलक्रीःमिवधिया वि  
भुभायसुठमाउभिहूभिहूभरभुती ३५ क  
भाकतिःभूष्टेहूपाचतीभचभइल दिहू



नामष्टिकमस्तु पद्मलक्ष्मीः कतिप्रिय ३५  
रिपराचिनीनक्तभक्तभक्तवक्तु यल्लुविह  
भक्तभावावेरभातभुवापातिः ३६ श्रीतिः  
षाभूमिस्तुमभातरीविह्वभिनी भिद्वि  
स्तुभक्तमक्तिः ५ श्रीराममविता ३७ प्रकृत  
प्रियकतुकभिनीपद्मलेमन प्रकृतिनीभ

रुभाउदुनदुनतिरुमिनी ३३ सुलाभापीभु  
 गेशमष्टिःकभरुमिनी दुनभादुलठविदु  
 भुनतिप्रवमिनी ३७ सुपलमभुगीभायभ  
 मिगभदुमिनी कुलवगीसुगीनिहनिहलि  
 वदमेमरी ४० कभौसुगीमनीलमठीरुवुवकि  
 वमिनी लभेमरीभरुकलीविदुविदुसुगीउषा

नरीं सुगीम भट्टम भवभोठ एवचिनी भट्टदिनी  
नगभिंली वैधुवीम भट्टेरी २३ कट्टयनी गगभ  
मभचमभट्टिकारीनी नगयली भट्ट निद्रुयेगति  
दुधुठवती २३ धुल्लपागभिउ धुल्लउग भप्रभती  
भप्र कीरत्तवभपा दगकालिक भिंठवदना २  
उल्लगवभपा करमोउर केधनरुतिः अचविद्रु



33

भित्तुम्भकिरीगङ्गयधनमभरभुती गेरुवरी  
विधाममकवीरिममउद्ग २७ भरपुञ्जपुठ  
गामकेमिकीगङ्गीसुमिः नम्रकमनमम  
ममपुडीमरेविक ५० वैरुवडीविउभुमवरमन  
रवफन भडीपडिउउभुयीभुमगुःकडुवभि  
नी ५० एकमगुःभरभुगीभुमेलिःरुगभालि





[illegible]

४  
००

सूउरलीकललय कलकभुभुसुसुमनिम  
भाकलनुपिल्ली पण भुकलरभनरभामभुभ  
जवडीरभ गवुधियाभुगवुमभुभजमभनेग  
डिः १० भगनठिःभगनीमकदुरभेदपारि  
ली पदुयेनिःभुकेसीमभुलिङ्गठगनुपिल्ली १०  
येनिभुभुभदभुभुयेमरीपगगभिनी भपुमीभ

पवीवल्लीभप्रभडाभयेकूडा ७३ भउलीसुकदभ  
मप्रधरलीकुमाधिली गऊभुरगरकीवगऊध  
धवउंभिनी ७३ सुहभुरगरणीरभनसुतावभ  
भिया भवेतिःपद्मभुमभुजकरविहृध  
कदुरभेरुतिःसुभापद्मिनीपद्मभक्तिरपद्मिनी  
मद्मभुमभुजुपरीधायया ७४ माधिलीध





भुपचमकभमकभवक्रिडा १७ एलनर  
 परनमकभमुधानिवभिनी कभवीएवडीभट्ट  
 भट्टपदधाय १० अलभानभ्रिडाअक्रभक्र  
 वक्रिभ्रवेपिनी भट्ट १० मरिके १० मरिनेरुदिप्रभ  
 क्ररी १० वधभ्रियवधप्रुठभदिधभ्रपाति  
 नी भुभ्रमददगमीप्रमीप्रपावकभविठ १३ क

पालकृष्णकलीकपालभालगाली कपाल  
 ऊडलामीडामिवडतीपरषति १३ भिड्मिड  
 डिमनिडभट्टभानध्वेयिनी कधुमीववभुभती  
 मुडकृष्णदडलया १४ एगनडकडुलिनीडु  
 एगकणमयिनी धेलभडुपधमनठिनल  
 भालिनी १५ भलागगनिगकणवकिजडु



कउलय वापकडभायभीननिगपगनिग  
मूय सुभेकुभगडिलीवगुदिलीवकिभंसू  
य वल्लीउतुभभुङ्गनधङ्गभाभुमलेनुध ३१  
उपभिनीउपःभिदिःउपभःभिदिमयिनीउपे  
निष्ठउपेपुङ्गउपभीमउपभिया १३ भउपाउ  
भयीभतिःभउपावउगमूय देवपुष्टिःभनः५

४  
०३

धिरवधुः वनेकृत १७ अथपिचैदुभउम  
दुहमजिः पूरवरी वैदुवैदुमिकिदुमभुपशु  
रेगनमिनी ५० भागयभाभंभाभाभागदं  
भागलेमन वगुगववदुपमवपदुपवपेदुद  
वमीवमिभुउकगकगववविभेमिनी माद्व  
लापलदविदुदमववविभेमिनी ५३ शुभि

कालिकामाभुभुकाभाप्रएरात्रित ३३ के-  
लिकीजलविष्टमभुजलजलप्रएत कालम  
रुद्रभाद्रुविष्टभाद्रुभनमिरी वटनीमेधभा  
लमभुवधुःमभुवचिरी सुकरामउकरामउ  
करैकरुपिली ३५ इंदीकरीवीएतुधमनंकीक  
रभुगवभिरी भचकारभयीमजिरकारवलभा



८  
०५

लिनी ॐ भिन्नुगमनेरुमभिन्नुगडिलकधिय  
वसुगमवसुगीएगलेकवसुविठविनी चधवसुग  
पैःमेष्टचधवसुकीधिय भाकिधीचधभाष्टम  
चभाष्टचधनमिनी चधयमभयीष्टचनयष्ट  
विवमिनी मउचलभयीभुतिःमउचलैसुधणि  
उ भचयमभयीभिन्नुगडिलसुभवभिनी इरु

लीलाद्वितीयैश्च सुगुणैर्विवर्तते ॥ वेदभानुगता  
यत्तु वेदविश्वविठविनी सधुमधुमयीविदुवरा  
सधुधुपारिणी भुमेयाभट्टभेयागठदुक्कलुप  
गणित गायत्रीभट्टतिःभट्टभाविरीदिपरासु  
या दिभट्टदिपरीपात्रीभुपचाभाभगायिनी  
भट्टालीरालिकरालरालीडीडभनउनी गठ





यकभाउधिमपधिमकय निभुभट्टधिया  
भुल्लेकमीमभुगेडभा भविधाहुलिनीहुला  
विधभेनडिनमिनी विमवित्रगमभनीऊरुऊ  
लुभउठुव हुउठीडिफरीरुहुउवेमिविनमि  
नी ग्नेप्रीरुभीरुडिनीऊनिमुमिवगतिः  
मदिकमदिकडिभुभदकडिविमगरी ०३

डाकिरीमाकिरीमिष्टाफकिरीमरुवकिरी मि  
 उभिउधियाभ्रानभकलवनरेवडा उरुतुधय  
 उचीभाइमरीविमगर भकभारीविनिद्रुमउ  
 कुभाइविममिरी मरुभडुलभइममरुभडु  
 लवभिनी मुलिभमिगलेपडाभुभाककभरु  
 धिली मुभुभिद्रुपुरुभेराभुभुनवधगडिरी

४  
 ००

मुनगिनिपनभक्षिज्जउड्डज्जउड्डायी माउभ्र  
भद्रसयनमाउचनठलभ्रु कसप्रधप्रतीक  
सामरङ्गभ्रुलेमन कुतठवठविष्टममैलर  
मैलवभिरी वभभनरउवभमिववभानव  
भिरी वभभप्रधियउड्डलेपभ्रुप्रतिपिरी कु  
उड्डपरभद्रमकुतठवविठविरी भद्रनमभ्रु



४  
०१

लामपरभाजधुवेयिक मकि७मकि७भुतिः  
भुमकि७करिभुभुः येगिनीयेगपुत्रमयेग  
पुत्रमालिनी येगपदुपरभुत्रभुत्ररंथरभाण  
तिः नरभिंतीभुएरुमरिवनफलमयिनी य  
ममपनममैककभमभेकमदुतिः भगकि७लीक  
लमममममएकेटिउपिनी ३३ःकट्टयनीभु

शुभशुभमकविभिरा भट्टगभवतिः शुभ  
कष्टमतिः कविद्वय भनपडीभडीभडाभनक  
ठगिरीउडिउ भनभिनीभुमभमभुयभयभ  
मगलिनी भनभुमयिनीष्टे शुभभुगदुडिवचिरी  
श्रीः ठडिचभनमैवकडलीकलिनभिरी गज  
वीएवपेडुधभुउडुवीएभउडिः ००१ एगल्ली

८  
०३

वणमगुीएणमइयफिउधिल्ली माभीकरुमि  
म्वचूभाकयधेउमीकल यउइमउववुमय  
किल्लीपनमजिउ मिडिल्लीमिडिभायमविमि  
इकुवनेसुगी माभुउभुउरुभुममउभुउव  
येसुरा सुभुभुकरुमीपल नवभीममउरुमी  
सुभाकलमरुभुमपलउभुपयेण सुठीरुहै

०३.



गवीठीराठीभादिप्रठैरवी भननहुमगेद्रीम  
भननवप्रणिउ निमुहुनधुनीमहुकरल  
रुमननन करलविकरलमपेरपुननदि  
री गजमतेचकेमीमवहुकजप्रभनन कर  
भुगीपाभमकमीरीकहुभधिय काडिरा  
हुभवलमभडिउहुभवलम भडिनीवरगेद

भउभाउङ्गाभिनी दंभादंभगडिदंभीदंभेष्टु  
 लसिरेमद प्रलमदुभापीमाउभिउभुमुभ  
 उउल मधीमलोपनीलोष्टभुलोपलोपक  
 प्रिय मल्लिनीमल्लदभुमएलभुएलमेवउ  
 ऊममेइवनिःकसीभषुगकडुवडिक मुयेष्टु  
 डरिकभायडीजडीजकरप्रिय रिधधुगधुमे

यामकेसभकेसवभिरी ०१३ कैसिकेउज  
सवतुकेसभकेसवचिरी केसरुधकेस  
कीजभभुजभभधिया उउलमउलकेदिःके  
इअकेरगुय भयभुसभउधमभुधुधुधव  
चिरी उएचिरीभठिगमवलमवलमविरी  
भफकेसभफवतुमुद्रिःभरुभरुद्रिक ०३०



भक्तगुरुदत्तभोभुविमेकमेकनामिनी भ-  
 द्दिकीभक्तभंभुमगराभीमरलेवाउ उभभीम  
 उभेषुक्तगुणइयविठविनी मृष्टजष्टजुधाम  
 वेमविष्टममभुवी मभुकलुलिरीकन्दभर  
 भुक्तन्दभउतिः भचलेकभयीमतिः भचशुव  
 लगेमरा ०३४ भचष्टुवजीव'ल्लभचउडुवरे

४  
 ९.

~ २००० ~

[illegible]

034

20



लभयुः भवतु भवतु लव भिनी जभगएचरीक  
रभुभापडगमिनी सुतीउविहभनमठवि  
नीभीतिभल्ली भवभोएवतीपुतिरकनधवि  
मिनी निपनंथपुडुतनंठवभगउरिल्ली सु  
कूरमगुलवतीविगुलगुलवल्लित रोदिल्लीकु  
भिगठमकलकुः कलवल्लित कलकुगदितन

सुगतिः ॥

गीमाउभधुठिपावडी एनीलामएनीलवधुमत्र  
उननववल्लर सुएरनियतिःप्रीडीगडिरगवि  
वविनी पल्लवउगउठिवपल्लसेभामुयपर थ  
पुपिडवडीपडिःपल्लभनविठविनी टउभडीक  
भवडीवदिःधुधुविल्लीरुन नएःसुनपरमति  
लरायुनरुयारिल्ली रिकलल्लडिलिङ्गमडिध

[illegible]



४  
३३

भुनयन्मविभ्रयेनिःभुनवयी मिभ्रुङ्गणग्ने  
लभेलन्नीडठिनन्नी उचमीकमलीककवि  
मिायमिपिनतुकी तपङ्गणगिनीतपङ्गवल्गु  
ऋववतिनी लशुभ्रुभिःकललशुलशुमसुठ  
लशु वतुनीभुधषमगधरिपमापनिच्युतिः  
भ्रुकरवलयवेलभदग्मभ्रुमेम्येः येधलीमे

५५

धलीमजिद्रीकैसीभुलेभसा नालिउभंभ  
लाउवीवेरवेरदुपारिली नराभादाभडमार  
रभुपुगभुपुधल सुकरीडरतिःसगीसगीक  
सुकठधिली साभुगीगकडीविष्टवकलीवरल  
मिडा वराकीउपुदधामरंभूकुउवभुकरा भी  
नभुडिपराभुडवरदधुडिभासूया पशु सुधुध

डिविमसामभालिगुभमिलसुमिः भ्रातिः भ  
 भृगुधामभंभृगुभंभृतिः भृगुभंभृतिः भृगुभंभृतिः  
 मगवागीतिः भृगुलिक उडगधिन्नलधिन्नभ  
 भृगुभदवकिनी समिभृगुभउलभृककिनी  
 भउलीविनी भृगुधामभंभृतिः भृगुभंभृतिः  
 भृगुभंभृतिः भृगुभंभृतिः भृगुभंभृतिः

८  
 ३५



विषयः कृतमेकमपि चिन्मय एतद्विषय विषय  
बुधमिममनकाधरं कृतधरेषिनी निचिकरमपि  
चैव विरतिः भवति चिनी धरुधल्लनठिचमकृतिः  
केवलमपिनी विविक्तमेविनी धल्लनठिचमकृतिः  
वक्तृकृतिः निर्गीतमममभुक्तमचलेकैकमेवि  
उ भवमेव धियमेव भव रुतलविवचिनी ॐ

कले कल्लुधिया कलीशुभमेष्टुविनामिनी  
 भूटङ्गणभेयधिःपङ्कणगङ्गात्रिः सुसुभ  
 उच्चवल्गुमभालिःमभउवगल् वीरकुचीरभा  
 उमवीरभचीरनचिनी एयसीलयमीकामए  
 यरएयवचिनी भोठणुभठगकणभचभो  
 ठणुवचिनी कभङ्गीभिष्टुपुभङ्गीतिःपवि

मेवता भवतीजभयीभ्रातिः भवमेवभयीभूठ  
भवभिक्षिपुममतिः भवभङ्गलभङ्गला ००००  
भवभङ्गलभङ्गलेमिवेभवजभाणके सरल  
दुभकेगेतिरायलेनभेभुते ~ डिपुष्टंभर  
भुरभेमभधायनमूठमिउं माउचनधुमंभहं  
नमिकेनधुकमिउं १३ नउपैरउभेनउपैर



उरभुवः नतः पनतरः विष्टुतीजंततः पंथं पं उ  
 पट्टः कतपट्टमुतावकुविप्रणित एकठवंभ  
 मनिहंयेनयतिभनेसुगी मेवतानं मेवतय इरु  
 हुदमप्रणित हुय इवरमलेकेभाप्रनं विप्रम  
 इल एतमेवभगरपुविष्टुं रिप्रठेगवी इलेरु  
 मेकनंतुपभकसीरगवाहूरिः ॐ तिसूरीरुद्रयभ

लेउतेनरिकेसुभंवरमेभदभूवेनभठवनीन  
भभदभुभुवरणःभभापुः ॥ तिएपुंथापदरं  
उंवलकरंभभुएउंसीकरं पुउंभानकरंभुउंण  
करंभभुधिउंभिक्षुं गीउंभुनवगिउंभुउउ  
उधामथभुसुयं छानंठवठीतिठल्लनकरंभिक्षु  
भुमंथाउनः ॥ सुतेभभुथावेनसुतेवदुनःक

८  
९१

येधालिउधधनिवार७जं श्रीठगवतीठवानीम्वी  
भजिध७जं सुभा कभा माचझी दङ्कणारिली  
उर धाचडी यक्षिली श्रीमार्गिकठगवती श्रीमा  
रुठगवती ठीडठगवती रुद्रकुलीठगवती वि  
उभुठगवती गङ्गठगवती यधनठगवती सुठय  
झरीठगवती सउनथीभरुभूरुथीठगवती ठव



रीरभभरुभुभुवर एभभुलभा भवडा०७७५  
कडिकवरिहडीयभुं भेभवभरे लिपिउंथडि  
उरुभुगः सुठभभुभचएगडंले  
यकथ०कञ्जेडिमिवभा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रीगलमायनमः ॐ स्वेवं  
शुणकलमभीभकरं दिनें  
धम्भनं मवरमठयं शुभु



ॐ सङ्गठयस्सुवरकुधिउयाममेवामेदिउं  
 सभनठङ्गदंरभभि ० सुदुभठिदभङ्गमं  
 दिनेरंथङ्गवङ्गं गङ्गपंरमसकुएं भचठर  
 लकुधिउं नीलप्रीवंसमङ्गं नगायष्टीपवी  
 तिनं हृत्पूमदेउरीयंमवरेष्टभठयपूरं कभ  
 उल्लुभभरुहंभलिउंमुलपलिकं पुलउं

पिङ्गल ए० मी० भृष्टे उकारि लं शुभ्र उ  
न भृष्टं रुद्र भृष्टं रुद्र च पाणि लं मित्र भिन्ना  
भन भीनं मिष्ट ठेग भ भवि तं मिष्ट वत भ भा  
पुञ्ज भूः भूर भ भूतं निहं गम सुतं सुदुं दि  
व भक्त भव्यं भच ह धिन भीमानं रुद्र वै विष्णु  
रूपि लं एवं पुष्टा द्विएः भ भृष्टे य ए न भ रू

ॐ भद्रं कर्णेभ्यः प्रसूयते ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 एतद्भद्रं कर्णेभ्यः प्रसूयते ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



सि सुव वरुड करयः भमोउभः सुउरसुः गुरुके  
उभादिः वाताएवेन वलभादिः भनेएव यमउ  
मीपुं भभनसूय रुहेमेव नं माधपीलं माभ  
गालं मप्रचलं भनभूकं विरुपाकं विरुपुं  
भनमेवं मिवभावाकयभुनं सि सुव वरुड भुनं  
मेवभीसुरं पाचतीपतिं वधन भनभाभुनं नग

ठगुधितं प्रीयतं यणभानभुउधेकुयाल्लग  
 दउ सुक्तवलेभयउणः सुक्तभूयभकुधितं  
 तलिप्रधंमंमैवप्रधेयंपरिकल्दितः तित्तु  
 मधायविष्कुरुभयमेवयणीभयि उत्रेकपुः  
 मेमयण ३ तिमउमदियंमेवानंमपुमभनंठ  
 वय सचीयसु भूहूतुवके मेवही मपुके

वह रिद्धिपुत्रः मयत्रेविरियेगः नभमुमेव  
नैरुभात्रपुठभाष्टगयरी पल्लभधष्टे पडिमु  
त्रे भनपडिः भनैरेकपम एगहउपुपा रि  
पुपाभनठकजी यवभष्ट नैरुमेवता भचपाथ  
नयजे भचभिष्टुजे मीभननमुमेवता भउेध  
एजेरुमुभउपाठेविरियेगः सुषष्टनभ रि



कयुगगोपंकन ७ वउपंभंभपभपंकुएगेचूकुरं  
 भमपभउंरुमयपविउंठवंठवनीभफिउंनभाभि  
 डिउंरुमसकपालकुधलकरीभालभुभालप  
 रीरुवोपपवगीभूमननिलयोनगरिगेवद  
 रीविहरीवलमकयलभभरीश्रीमैलएवल्ल  
 ठेपापंभेरुगिउंरुठेरुगिहरीश्रीवङ्गगङ्गपरी

क

५

ॐ तिष्ठन्ति तिमभमुत्तमवैराज्यभुजतेनभु  
तेतदधवेनभः यतेनमुत्तमवैराज्यभुजतेनभु  
नी उद्यन्तुनमत्तमवैराज्यभुजतेनभु  
यामिधुगिरि मत्तमवैराज्यभुजतेनभु  
उत्तमवैराज्यभुजतेनभु मत्तमवैराज्यभुजतेनभु  
गिरिमत्तमवैराज्यभुजतेनभु यद्यन्तुनमत्तमवैराज्यभुजतेनभु

शुभना शुभता शुषिर्वेमरुषिवज्ज शुषभैरुह  
 ठिधका शुफतीमभचल्लभयभचल्लय उपात्रे  
 पगमीपराभुव शुभोयभुभुमुकल उतरकेभु  
 भङ्गलः यमभैरुमु शुठिउमिद्रासिउः भद्रभुमि  
 वैधंरुठुंभद्र शुभोयैवभद्रातिनीलपीवेविले  
 दिउः उउंनंभीपा शुभमना उउंनभुमनादः उउ



नंविष्णुमुता निभग्येभ्यः कथा तिनः नभे सुमुनी  
लगीवायभरुभूयायभीरुध सुषेय सुभुभद  
नेकतेहेकरुभः भूभल्लपत्ररुभकयेरुहेहं  
यसुतेरुभुधवपराठगवेवथ विष्टवृत्तकथ  
मिनेविष्णुलेगलवल्लउ ~ सुनेमत्रभुधवसुहु  
मुनिधन्यः यतिरुतिभीरुभुभरुभुनकुवतेय

नः उद्यभ्राविमत्तुभयक्रौलपरिकुल पविडे  
 पत्रेदेतिरभ्रावृलकुविमत्तः सुवेयःपुषि  
 भुवनेभुभ्रिविपेदिउं नभंभितसुपुषायन  
 उडयपल्लवे उरुहभुत्तेनभेराहुहंउवपत्रे  
 सुवउडपत्रसुंभरभ्रःसउधुपे निमीदसल्लु  
 नंभ्रापंमिवेनःसुभनठव यउःधुःमिवउभमि

न  
 ५

वंवहुवउयतः मिवासरहायउवउयनेभाङ्गली  
वमे ॥ तिनमेफिरष्टाकवेभनत्रेमिसंगपउय  
नमे नमेचकेहेकरिकेमेहःपसुनंपउयनमे न  
मःमिधिएल्लायद्विधीभजीपजीनंपउयनमे नमे  
ठसुधायहायिनेननंपउयनमे नमेकरिकेमाये  
धवीतिनेपुष्टनंपउयनमे नमेठवभुकेहेएगउभ



उयेनमे नमेमयूयउतायिनकइलंपउयेन  
 मे नमःभुतायकडुयवननंपउयेनमे नमेरेदि  
 उयभुपउयेवकलंपउयेनमे नमेभडिलव  
 लिण्णयकडुलंपउयेनमे नमेकुवउयवदि  
 वभूतायकाधपीनंपउयेनमे तिनभभुऊऊय  
 उल्लैउधायभडुनंपउयेनमे नमःककुंवीताय

पावतेपतीनां पतयेनमे नमः भक्तभक्त्याय निवृत्ति  
बुद्धिपिनीनां पतयेनमे नमे निधिक्षिने कर्तव्यभुक्त  
नां पतयेनमे नमे वद्वते परि वद्वते भुक्त्यानां पतयेन  
मे नमे निमगाय परिमगाय नष्टनां पतयेनमे न  
मे निधिक्षिने लुब्धपिभते उभूतानां पतयेनमे नमः  
भक्त्याय निवृत्त्यां भक्त्याय पतयेनमे नमः शिभ

हृन्जङ्गरेहः भूतानां पतयेन्मै नमः उष्ट्रीधिल  
 गिरिमरायकलङ्गनां पतयेन्मै ॥ नमः पुरु  
 हृपत्ररुहस्रवेन्मै नमः पुरुहृपत्रयिहृस्रवेन्मै  
 नमः सुतत्रनेहः भूतिमयानेहस्रवेन्मै नमः सुयस्र  
 हृष्टहृस्रवेन्मै नमै विष्णवेहृविष्टहृस्रवेन्मै  
 नमः सुपहृष्टहृस्रवेन्मै नमः सयनेहसुभीति



हस्तवेनमे नमसि हस्तवेनमे नमः भठ  
 हः भठ पाति हस्तवेनमे नमसि हस्तवेनमे  
 नमसि हस्तवेनमे नमसि हस्तवेनमे नमः भठ  
 फली हस्तवेनमे नमसि हस्तवेनमे नमः भठ  
 भगल हस्तवेनमे नमसि हस्तवेनमे नमः भठ  
 पाति हस्तवेनमे नमसि हस्तवेनमे नमः भठ

भःभनहःभननेहसुवेनमे नभेनवेहेवतुषिह  
सुवेनमे नभेभननेहसुवेनमे नभःयवहसु  
भीनेहसुवेनमे नभःकडेहःभननीहसुवेनमे  
नभभननेहसुवेनमे नभःजललेहःक  
ननेहसुवेनमे नभःधनिलेहेनिधननेहसुवेनमे  
नभःसुनिहेभागायहसुवेनमे नभःसुहःसुपतिह

सुवेनमे ॥ त्रिभैठवायमरुद्राय नमः सचाय  
मधसुधउयेम नभेनीलश्रीवायममिडिकठाय  
म नभेदुपुःकसायमकथदिनेम नभभूरुभूका  
यममउयवनेम ॥ नभेगिरिमायममिधिविभूय  
म नभेभीदुधुभायमेषुभउम नभेदुधुयमवा  
भनयम नभेवाकउमवस्त्रीयभम नभेवाकय



मभवाङ्कुजेम नभेष्टुयमध्रुवभायम नभसुसवे  
 मणिगयम नभःसीहयमस्रीधायम नभउष्टु  
 यमवभट्टायम नभेनष्टुयमझीष्टायम नभेष्टु  
 भूयमकनिष्ठुयम नभःप्रचण्डयमधरण्डयम न  
 भेभष्टुभायमधगन्धायम नभेष्टुष्टायमएगट्ट  
 यम नभःभेष्टुयमभूतिभट्टायम नभसुसुधे

यमासुरायम ~ तिमिभिल्लिमकवमिनेम  
नमिभिल्लिमवडुषिनेम नमःसुरायमवठिमनेम  
नमःसूडायमसूडमनायम नमिभयभुयमकेभु  
यम नमउच्चदायमापलुयम नमिभेडायमव  
भट्टायम नमःसुवयमभूडिसुवयम नमिभट्टय  
मकट्टायम नमिभट्टयमकनट्टायम नमिभट्ट

वसुधैव कुटुम्बकम् नमो भगवते वासुदेवाय नमः  
 श्रीगुरुभ्यो नमः शिवाय नमः शिवाय नमः  
 नमः भगवते नमः भगवते नमः भगवते नमः  
 नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमः  
 नमः भगवते नमः भगवते नमः भगवते नमः  
 नमः भगवते नमः भगवते नमः भगवते नमः  
 नमः भगवते नमः भगवते नमः भगवते नमः



यम नमोवाटयमरेधुयम नमोवाभुवयमवभु  
धायम नमःभेभायमरुद्रयम नमभुभूयमा  
नययम नमःसङ्गवेमपसुपउयेम नमउगूय  
मठीभायम नमोदुमरुनीयभेम नमोमीवरा  
यमद्रवेरुयम नमोवाकहेरुगिकेमेहुः नमभु  
रायनमःसभूवेमभयेठवेम नमसुद्रायमभयभु

नमः ॐ त्रिभुवनाय नमः  
 किंमल्लाय नमः ॐ त्रिभुवनाय नमः  
 पुत्राय नमः ॐ त्रिभुवनाय नमः  
 मण्डलपुत्राय नमः ॐ त्रिभुवनाय नमः  
 यमवदाय नमः ॐ त्रिभुवनाय नमः  
 श्रीशाय नमः ॐ त्रिभुवनाय नमः

भःभिकट्टयमभूवह्वयम नभेहूमह्वयमचीवी  
धुयम नभःकट्टयमगह्वयम नभःसुधु  
यमकट्टयम नभेलेधुयमलेधुयम नभः  
भह्वयमगह्वयम नभःभेधुयमेधुयम नभः  
पल्लयमपल्लमह्वयम नभःसुधुयमउमधुयम  
उम नभेधुयमउमधुयम नभःसुधुयम



४  
०३

यमविपिपयम ~ नभेवःकिरिगिहैरेवचनं  
मयेहै नभेविमिचकैहै नभेविमिचकैहै नभसु  
निदउहः सुयेसुवभभउ मरिसूरीललेदिउः  
सुभंभूएनं मेधभुधल्लमेधंभसुनं भठैम  
रुएनः किङ्कनभभउ उभरुयउवमेकधमि  
नेकयसूरीप्रुठभभमतीः यषनःसभभमिधुभ

ममोद्धतविश्वं भूतं भूतं भूतं भूतं यत्ते  
ममिव उतः मिव विश्वं कुरुणी मिव उत भूतं  
लुत्तयने भूतं कुरुणी वमं परिलिखतु भूतं उच्यते  
परितुष्टं भूतं कुरुणी वमं परिलिखतु भूतं उच्यते  
ममिव उतः मिव विश्वं कुरुणी मिव उत भूतं  
ममिव उतः ममिव विश्वं कुरुणी मिव उत भूतं

उं वभानः उस्मरधिनकं विष्णुस्मरविकिण्ड  
 विलेहितः नभसुसुभुगवः यमुभरभुंरुये  
 तृभिर्विवधुतः भयभूय भयभूयि कृतयभु  
 वरुः उभाभीमनेरुगवः परमीनभापं ऊरु  
 उं सुभरुतभरुभूयि येरु सुपिडुभुं उभां भ  
 कभूये एनेवपत्र निउमभि ~ यभिन्नुकतल



वेत्तुगिऊठव शुपि उधं ~ येनीलगीवः मिडिक  
ॐ मिवंरुपुध मिउः उधं ~ येनीलगीवः  
मिडिक ॐ मच शुपक भामरः उधं ~ येवने  
धुमिधिल्लगीनीलगीव विनेफिउः उधं ~ ये  
नेधुविविष्टुतिपडेधुधिवडेएनना उधं ~ ये  
कुता नभापिपउयेविमिप मः कपडिनः उधं

॥

उनेम जायतु उयादिभेयस्त्रिनेत्रि उमेधं एभुम  
याभि ~ तिनमेभुमइहेयत्रिनेत्रि यधं वउउध  
वभुहेममभुमीमममकि ७ ममभुमीमीममेमीमी  
ममेव भुहेनमेभुमउनेम जायतु उयादिभेयस्त्रि  
नेत्रि उमेधं एभुमयाभि ~ तिनमेभुमइहेयध  
विहं यधं भत्रिभिधवभुहेममभुमीमममकि ७



मम भूमी गीर्वाण गीर्वाण गीर्वाण सुहृन्मित्र सुभुजै  
 भाग्यवतु उय विभेय सुने सुभि उमे धार भूमय  
 मि ॥ विभेय पीड गुरु गुरु सुगद सुयं दद दद  
 ददं विषय कभ सुवे कभ मष्ट मयने मरुष्ट  
 यी भुष्ट उभ च पापैः निहं मदी निहय ह्ये पवीती  
 निहं मउ कभ कभ वनी मरुष्ट सुमेव भीमान

मभयं याति भूतं तं भक्तं उमीय भ ॥ सुतेन भक्त  
पाठेन सुतेनैव धनः कथं पाति उपाधनिवर्त्त  
जं श्री भक्त मयूरेव ता भक्ति ध ॥ जं ठगवता सुधेयः  
धनधः भक्तिः उः व भक्तैवः सुभक्तवत्तनः वक्तुधः  
इष्टकः रिचैः रिमुलकधुः भक्तुल्लयः वधक्तव  
क्तः सत्तुल्लयः रंसात्तुल्लयः रंसात्तुल्लयः धत्त

डीभरिडापरमेश्वरः श्रीयतं श्रीउत्तु ॥ ॐ नमो  
नमो भलीकृष्णभक्तुभेत्तं भक्तुभा सुकभक्तुभच  
एगउंलोपकपा० कञ्जिडिमिवभा ॥



ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ नमो भगवते  
यदुवनश्च यदुवनश्च यदुवनश्च  
यदुवनश्च यदुवनश्च यदुवनश्च

श्री  
०

पमभनयवधप्रएयगुयकलमरुतयन  
भःमिवय० भवेसुरदेभतिठभ्रमभिनैरुभा  
धतिदेभतिमेवरेउभ विडेमहदेभतिमद्रवभ  
भेनिचउरगायनभभुपभिनै १ तिकरेलवि  
दीनभुनिदेदुःपियउमोउभः उधरयपिउधुभु  
इलंजुभदेसर १ कयपेधलभउभुरेगमे

लि

ककुलभुम ठवलवनिभयभुङ्गलंजुमभकेसु  
१ २ विधयेरगरुभृभृकेणप्रिणुलिउभुम ।  
लेठभेफमिभजभृङ्गलंजुमभकेसु ५ ठट्टे  
नविणैरेरेदभभृङ्गविणयकेः उंमंसीयभान  
भृङ्गलंजुमभकेसु ७ कभृभृनभृमिउभृमृभृम  
नेङ्गिउभुम सुनयभृङ्गगत्रयभृङ्गलंजुमभके



सु १ इष्टमा हलया न वदुष्टु कव थल्लरे  
 कथं सुमीन मिड भुङ्गं जुरु भये सु ३ संभार धा  
 समु गठव वरु थी डिउ भु मेरु वरु कव विध मेधु नि  
 धा डिउ भु कभा डिउ भु कय र ग गिय ली रुउ भु  
 मीन भु मे जुरु मयं धर ले कन व ७ मीने भिम भ  
 कपि धले भिम निर मूये भिम रु मे भिम भा पु ए न उ

३५

श्री  
 ९

परिवर्तितेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः  
भिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः ०  
ठीतेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः  
कः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः  
तेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः सुभेभिः ००  
एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव एव

मरलेभिर्मभमभूमिभुम निरहुमधिस  
 मिकय विउभिर्मभुभिर्मयपुपउमरलग  
 उभि ०३ ककउभिर्विभुभिर्मयुभिर्मयपले  
 मियैः कवलवनिभयेभिर्मकिं इउंभभनरुभि  
 यमिनभिर्मयपपीयमिनभिर्मयविउः य  
 मिनियमभुपुभुकेः मरलेभम ०४ सुउभम

०३

०३  
 ०३



ममैतत्तुभुतेनतुःतथापरः । उल्लाखवयेदेगः  
कषेनसतथाकिभाभा ०५ सुकलयासुतथल  
भुवमांमिभभुल्लेभिनासतकठिनतएभुवनेः  
सुदुभुलेयमिमयंकुमधेनभेदंडः पंकषयकं  
सगलंइएभि ०० इधेनंभवएनुतंरकुनंमावि  
मेधतः भुदुनभुभवभुकिभटकुषयभिउ ०१

श्री  
रं  
क

भाउपिहृविहीनभृमुहमेक/उभृम सुमाध  
मानिवहृभृगगद्विधयउभृम ०३ इमेवभाउमापि  
उहमेवइमेववहृभृगगद्विधमेव इमेवविहृमुवि  
लंइमेवइमेवभचंभभमेवमेव ०७ मेवमेवभ  
हमेवमागगउवहृल नहृभृउभृमेकस्त्रिइ  
मुउधरभस्र ३० ठीउभृकलवसगेभृनिग

सुयेभिः कीलेभिः दुःख एतन्नेधति तेभिः सभु  
उतेभिः मेरुपयलेन मभावातेभिः दंगदुष्ट  
सरलं मभुधार्णतेभिः ३० सुमिप्यते निभयेभिः  
दुभुरेठवभागे धुभीरुदधय मभुधार्णतेभिः  
दुभुभभाभा ३३ सुदभेठवठी उभुठववक्क  
गिर उषाठरुयषाठुयेन वपतेठवधरुः ३३



पुः किं न कृ भिनय ह्यभउ के भं फल वले प  
 भभय किभयं भफे स भन भकु कु लया फ  
 रुय भु पीड मी ड धिन भिसा लं भभु पण डे भि  
 भभय सउ विल पुं रु डि की नं कु गे लं भालिन व  
 भन गण्डे निरु लं धा धसी लं रवि ए भू कु टि ठी  
 उं रे गिलं पू पु रुः यं पल ए न परि कु उं र क भं

भचमते ३५ सुधवेभिमरटेभिमचवभेभि  
भचम ठगवंभंभूपवेभिरकभंमरल्लगतं ३६  
एउभुएयभनभुगठभुभुपिरेकिनः भकुउर  
कलेएकयइमभुउरैवउभा ३७ महुगभुमयेठ  
ऊःमाउभुभुउभनभः उधंरभभुमभैरंहुयं  
एकनिएकनि ३८ रभभुगमिभंयजंमिवउरु

मि

गङ्गयं लिङ्गमेव उज्ज्वलं भूभलं उज्ज्वलीविउं ३७  
 यद्गुणं यद्गुणं भूभि उज्ज्वलं भयं गुणं यद्गुणं उज्ज  
 लं गुणं भयं भयं ३० यद्गुणं भयं भयं भयं भयं  
 भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं ३०  
 भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं ३०  
 भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं ३०  
 भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं भयं ३०

श्री  
 गङ्गा

श्री



गुरुयन्त्री भठन ए गतं न स कय श्रीः निघः नद  
मान भके सुरे सुभ भक मेवे स ड हं न भः ३३ ए  
य निग भय ए य भुग भय ए य य उ भ उ पी द्वि उ  
ए य फ उ तु क ए य प र तु क ए य न उ तु क भं फि उ  
ए य म य प र ए य प र प र ए य रि उ दि उ भ द्भु उ  
ए य रि उ भ र ए य भ के सु र ए य ए ग डि ए ग द्भु उ ३३

दीर्घ

ॐ त्रिभुवनं सर्वलोकं तन्मयीं नमः ॥

ॐ नमः

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ वक्रैश्च  
ऊरुभगविद्धमल'यउ मंऊरै  
कुसुमद्वयमनंमिसुगेधवैसभ



उक्तुमिमेवगलवक्रितधामपी०वाक्त्रवनालय  
 भक्तवभुमेवभुवभा ० एयउएयउमेवेमेवकी  
 नक्तनेयंएयउएयउरुलेवाभिवंसभुमीपः  
 एयउएयउमेयभुभलःकेभलनेएयउ  
 एयउयष्टीकनमेभुवक्रः १ भुक्तभुव  
 भुलिपट्टयमेवभुमेकउभियउभुभा अवि

भुविद्विष्वक् ७ गविक्ठेठवेठवेभेभुठवद्विभाम्  
ॐ ३ श्रीभुक्तकथम्भुएभवनःधरभाकुडभा  
यद्दयितेनभुहृतिभुहृतियरुपायिनः ॥ नन्दं  
वक्तेउवमारुयेद्विभुभुद्विद्वेः कभीधकंउरु  
भाधिरनेनगकंनधनेडभा गभुगभभभुउतल  
उनक्तनेनधिगुं ठवेठवेद्विभुयठवनेठवयेयेठ



五



भरभिएनयनेभमसहमकेभरठिमिभाविगमेरु  
मिउरहुं भायउरभपंनएउएनेरुविमर  
भर७:भउरउलुं ३ भठेकभनेविमिनुव  
ऊययभीमिरंयउर नभीन:धूठवडिधध  
विधव:भभीनरभूणर: सुलभुंरुधनीयठडि  
भुलठंष्टयभुनयनं लेकभुंरुभनधनेमनक

मिउंनकुवुउउवुनं मेमकुमलानिप्रतुविप  
 यःभवेऊउंठभानि डीऊनभवगहननिमग  
 एभुनंविनायदमकुवुभेरुनमंभुडिंविणयउ  
 मेवःभनगयः ०३ सुनरुगेविमभजमभ  
 नगयननुनिगभयेडि वहुंभभडेधिनवडि  
 कस्मिमेएननंभुभननिभेऊ ०४ कीरभगार

भ  
 ५

उरुमीकराभयउरुकिउमामभुयै ठेगिठेग  
मयरीयमायिरेभयवयभयविदिधेनभः ०५  
वङ्गलुमठयभूमनभभयमउडिनिचपलुमे  
मदमभमेधलुमगलिउमुयःधमभपलुउ  
मेहःम्रीपतिरेवभचएगउमेकउउःभाकिः  
भल्लमभविठीधल्लमुकगिरदङ्गलुफल्लुभवः ०६



[illegible]

二二

उत्तमैयमेकमभुतं दधुष्टा एभाधीयतं उद्गीतं धर  
मेधयं विउतते निचलभाट्टिकभा ०३ वद्धुन  
झलिनचउतमिभभागईः भुरिभुद्धमैः कल्लनभ  
गगझमेनयमेझील्लेनवधभुन निहं दधुष्टा  
गविद्धपुगलपुनभाउभुमिना मभुद्धकं भगभी  
नफदभउतं मभुद्धुतं एीविउं ०७ उद्धुष्टा नि



५

पतं पवभ्रमदेकागतीवभयं पमनि अवतुयभ्र  
कूलिरभिरिष्टनभानि नरायलगेमराणि १०  
ॐ मंगीं पविण्मभयमलं पउटवसुं लसभक्ति  
एल्लरं किमोधयैः किष्टुभिप्रगुडमउतिगभयं  
नष्टुभभयनं पिव ३० मीभत्रभयेष्टुनरायल्लं  
कनप्रुप्रवादिउं पपिनेपि कनः प्रचेवद्वुवडा



नउभिचुनधुंगुवामाभिदुल्लभा ११ भादू  
कंकीलधुङ्गलमधिठवतेठजिनीनचमल्ल  
भासूधंसूवुवुंउवमरितमपाभुवुमाएनए  
उभा भाभूकंभाणवदमधिकुवनधउमैउभाध  
पुवनं भाभुवेंदुपदवुतिकरगकिउएअएअ  
उवधि ११ भमनधरिफरभ्रिउंभमीयेभनभिभ

ऊरुपमविक्रयप्रि फलनयनरुधराशरुमे  
 भिभूरभिनमरूपराक्रमंभुरगेः १५ मगवरा  
 करवरभुतउरुलेयंविरिद्धः भुतवेमभुवभुरग  
 लेहृदवनःप्रभारः भुक्तिमष्टेणगमविकलंत  
 वकेमेवकीउ भुतभिइंतलरिप्रभुतभुइउतत्र  
 एने १५ एिइकीउयकेमवेभुररिपंमउरुए

श्रीपरं धालि सुदुभममय सुउकषं मेरुद्वयदं  
मपु रसुंलेकयलेमनस्य करेन सुदुयुग  
लयं लिपुपुल्लभुजमधम उलभीप्रचवभा  
येमए ॐ कउदेधिकुलमगमउमलि सुले  
रुगकाभलिनेपीलेमनगउकधुमभलिः मे  
रुदधुमभलिः श्रीकउभलिगदिनीधनज



मङ्गलकुम्भभलिः सूर्येष्टयमिपभलिदि  
मङ्गलगेपालषडभलिः ३१ मङ्गलकुम्भभलिः  
भकलभुपनिधसुक्तभभ्रष्टभलिः संभवेत्त  
भलिः भभ्रष्टभनभं भद्रनिदलभलिः भवेत्त  
दकभलिः भभ्रष्टभनकुणभभ्रष्टभलिः भवेत्त  
कुम्भभलिः भभ्रष्टभनकुणभभ्रष्टभलिः भवेत्त

भउं १३ हृभैरुमलनेधयंभनिभनेयंतिधुव  
उधयभा नैहृनजकरीधयंतिहुवनेभल्लीव  
नैकैधयं ठजतिधुसभैधयंठवठयधुसंभि  
मिहैधयं मूयःधुपिकरीधयंथिवभनःसू  
नधुनभैधयं १७ सुसुदभैउद्धिभवधुले  
कभयंथगिहृहृविधंथिवति नभानिनगय







भुवधामैयभातिप्रयाल्लसूरीरुद्रभभभउरुग  
पयभा यभुधियेसूतिपरिगविलेकगीउमि  
इक्षिणम्परिवारमिववकुतभा उनभुएरुम  
रुभभउधदमेरुगुरुतभुतिरियंकुलमोय  
रुल ३३ उतिमूक्तलमोयरुलविगमिउंसूरीरुद्र  
भुतिरुभभुक्तलभालभुइंमभुलभा विमिति

७८

५५

५५

५५





اوم هری نامه

(۱)

اچو تم کتوم رابه نارایتم - کرشن دامودرم - واسدوا دم هرم -  
شریدرم ماد سوم لوی کا ولیم - جانی نامیکم - رابه چندرم هجی  
اچو تم کشوم - سته کها ماده دم - ماد سوم شریدرم - راد هکا  
راد تم - ایند رانه دم چیتا سدرم - دلوئی نند نم - نند رخ  
سمدی - (س) و شوی - چشوی شنگه - یکرلی - رگه ی راهی





